

३२७२

वोटों से जीत



युगधर्म

प्रधान संपादक : अरुण जोशी

१९४७ से

■ वर्ष : ८० ■ अंक १४६

नागपुर, गुरुवार, २९ अक्टूबर २०२६

■ पृष्ठ ८ ■ मूल्य ₹४

गिरते-पड़ते जीते अभिजीत वंजारी

भाजपाई गढ़ में कोहले की एक और शर्मनाक हार

विशेष प्रतिनिधि

नागपुर। इंडियन नेशनल कांग्रेस के उम्मीदवार अभिजीत वंजारी ने विधान परिषद का नागपुर स्नातक निर्वाचन क्षेत्र का चुनाव किसी तरह गिरते-पड़ते ३२७२ वोटों से जीत लिया। यह उनकी लगातार दूसरी जीत थी। पिछली बार की तुलना में वंजारी को थले ही कम वोट मिले हैं लेकिन उन्होंने नीतेश कराले की उम्मीदवारी के राजनीतिक संकट के बावजूद पहली और दूसरी पसंद के ६७,२३१ वोट हासिल कर ऐतिहासिक जीत दर्ज की। संघ की भूमि, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी तथा मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के गृहनागर में वंजारी की स्नातक निर्वाचन क्षेत्र में लगातार दूसरी जीत मायने रखती है। वंजारी के विरोधी भारतीय जनता पार्टी के सुधाकर कोहले को ६३ हजार ९६० वोट मिले। रिटर्निंग ऑफिसर और डिविजनल कमिश्नर विजयलक्ष्मी बिदरी ने अभिजीत वंजारी को जीत का सर्टिफिकेट दिया।

मंगलवार, २७ अक्टूबर को सुबह ८ बजे नागपुर के मानकापुर में डिविजनल स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में वोटों की गिनती शुरू हुई। वोटों की गिनती ४१ घंटे से ज्यादा समय से चल रही थी। चुनाव निरीक्षक डॉ. हर्षदीप कांबले,

रिटर्निंग ऑफिसर और डिविजनल कमिश्नर विजयलक्ष्मी बिदरी, डिवीजन के सभी जिलों के असिस्टेंट रिटर्निंग ऑफिसर और डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर, वोटों की गिनती के लिए नियुक्त अधिकारी और कर्मचारी मौजूद थे। पहली पसंद के दो राउंड में कोई भी उम्मीदवार जीत के लिए जरूरी ७५ हजार ४३८ वोटों का कोटा पूरा नहीं कर सका। इसलिए, चुनाव प्रक्रिया के अनुसार, दूसरी पसंद का एलिमिनेशन राउंड हुआ। पहली पसंद के दो राउंड में १ लाख ६५ हजार ९०६ वोटों में से १५ हजार ३२ वोट इनवैलिड थे। जबकि १ लाख ५० हजार ८७४ वोट वैलिड थे।

दूसरी पसंद के एलिमिनेशन राउंड में भी कोई उम्मीदवार तय कोटा पूरा नहीं कर सका। इसलिए, पहली और दूसरी पसंद के एलिमिनेशन राउंड को मिलाकर सबसे ज्यादा ६७ हजार २३१ वोट पाने वाले अभिजीत वंजारी को विजेता घोषित किया गया।

भारत के चुनाव आयोग ने २२ सितंबर को नागपुर डिविजनल लेजिस्लेटिव काउंसिल ग्रेजुएट निर्वाचन क्षेत्र के लिए चुनाव कार्यक्रम की घोषणा की थी। इसके अनुसार, २९ सितंबर को चुनाव का नोटिफिकेशन जारी किया गया



था। २३ अक्टूबर को सुबह ८ बजे से शाम ४ बजे तक वोटिंग हुई। इस चुनाव के लिए वोटों

की गिनती २७ अक्टूबर को सुबह ८ बजे शुरू हुई। ४१ घंटे बाद वोटों की गिनती पूरी हुई।

आयोग ने ३१ अक्टूबर तक चुनाव प्रक्रिया पूरी करने का शेड्यूल तय किया है।

फडणवीस को डिलीट करना पड़ा पोस्ट

४० घंटे से ज्यादा समय तक चली गिनती के बाद आए नतीजों ने फडणवीस को अपना



वह एक्स पोस्ट डिलीट करने पर मजबूर कर दिया, जो उन्होंने एक दिन पहले 'बिग फैट जीरो' वाला टवीट किया था। उस

पोस्ट में उन्होंने एमएलसी चुनावों में कोई भी सीट न जीत पाने के लिए कांग्रेस का मजाक उड़ाया था। बुधवार को प्रधानमंत्री मोदी ने एक ट्वीट करके कांग्रेस का मजाक उड़ाया था कि बैलेट पेपर से चुनाव होने के बावजूद कांग्रेस अपना खाता भी नहीं खोल पाई। कांग्रेस ने इस पर तीखी प्रतिक्रिया दी और चुनौती देते हुए कहा कि सभी चुनाव बैलेट पेपर से कराए जाएं, साथ ही पूछा कि उनकी पार्टी ने कितनी सीटें जीती हैं।

एकता की जीत : अभिजीत

जीत के बाद वंजारी ने कहा कि यह जीत सिर्फ उनकी नहीं है, बल्कि मुझ पर भरोसा जताने वाले हर ग्रेजुएट, कांग्रेस पार्टी के वफादार कार्यकर्ताओं और महाविकास आघाड़ी के सभी घटक दलों की एकता की जीत है। मैं उन सभी वोटर्स का दिल से शुक्रिया अदा करता हूँ जो डेमोक्रेटिक मूल्यों में विश्वास करके बदलाव के पक्ष में खड़े हुए। पिछले छह सालों में, मैंने लेजिस्लेटिव काउंसिल में लगातार ग्रेजुएट्स के मुद्दों को उठाने और उनके हक के लिए लड़ने की सच्ची कोशिश की है। इस चुनाव में मिला जनादेश उस काम की पहचान है और आने वाले दिनों में और ज्यादा जिम्मेदारी से काम करने की प्रेरणा मिली है।

सैंसेक्स ४०० अंक चढ़ा निफ्टी २२८०० के पार

नई दिल्ली। भारतीय शेयर बाजार में गुरुवार को बहुत दर्ज की गई। अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने ब्याज दरें स्थिर रखीं, जिससे बाजार को समर्थन मिला। हालांकि, कच्चे तेल की ऊंची कीमतों ने निवेशकों को सतर्क रखा। सुबह १०:१९ बजे बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का प्रमुख सूचकांक सैंसेक्स ४००.२८ अंक (०.५४%) की बढ़त दर्ज करते हुए ७३,६४६.३१ के स्तर पर कारोबार कर रहा था। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी ११०.४१ अंक (०.४९%) चढ़कर २२,८०९.२५ के स्तर पर बना हुआ था। बाजार में अधिकांश क्षेत्रीय सूचकांकों में व्यापक वृद्धि देखी गई। सूचना प्रौद्योगिकी, मीडिया और सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक प्रमुख बढ़त वाले क्षेत्रों में शामिल थे। निजी वित्तीय सेवा क्षेत्र ने भी बाजार को ऊपर उठाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। एफएमसीजी, उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुएं और धातु के शेयर भी ■ शेष पेज ५ पर

भाजपा-शिवसेना के बीच बढ़ी रार!

भाजपा ने शिंदे पर गंभीर आरोप लगाए



मुंबई कार्यालय

मुंबई। विधान परिषद के स्नातक तथा शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों के लिए हुए चुनाव में राज्य की ५ में से ३ सीटों पर महायुति को झटका लगा है। पुणे शिक्षक चुनाव क्षेत्र में भाजपा ने जीत हासिल की और अमरावती शिक्षक चुनाव क्षेत्र में उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की लीडरशिप वाली शिवसेना ने जीत हासिल की।

हालांकि, पुणे और औरंगाबाद-मराठवाड़ा ग्रेजुएट चुनाव क्षेत्रों में शरद चंद्र पवार की पार्टी नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी के कैडिडेट और नागपुर ग्रेजुएट चुनाव क्षेत्र में कांग्रेस के अभिजीत वंजारी ने भाजपा को करीबी मुकाबले में हरा दिया। पांच में से तीन सीटें हारने के बाद अब महायुति में विवाद खड़ा हो गया है। भाजपा के प्रमुख प्रवक्ता नवनाथ बान ने इस हार के लिए सीधे तौर पर शिंदे की शिवसेना को जिम्मेदार ठहराया है।

एकनाथ शिंदे की शिवसेना से नाराजगी जताते हुए नवनाथ बान ने कहा

है, शिवसेना, जो पुणे और नागपुर में सहयोगी थी, उसने टीचर्स और ग्रेजुएट्स के चुनावों में उम्मीद के मुताबिक सहयोग नहीं दिया। पुणे में सही समय पर सचिन सानप को सपोर्ट करके शिवसेना ने गठबंधन की एकता को हिला दिया। ग्रेजुएट्स के चुनावों में उन्हें जो वोट मिले, वे भाजपा को नहीं मिले। साथ ही, अब्दुल सत्तार ने छत्रपति संभाजीनगर में नेशनलिस्ट कांग्रेस के खिलाफ सीधे कैपेन किया। इससे भी गठबंधन पर असर पड़ा।

...तो पांचों सीटें जीत जाती

बन ने कहा कि अगर शिवसेना ने गठबंधन का धर्म निभाया होता और भाजपा और राकांपा का साथ दिया होता, तो अलायंस पांचों सीटें जीत जाता। लेकिन, पुणे की एक सीट के लिए शिवसेना ने अपने साथियों को मुश्किल में डाल दिया और तीन सीटें जीतने का मौका गंवा दिया। एक सीट के लिए अपने साथियों को नुकसान पहुंचाना अलायंस के हित में नहीं है।

एमएलसी चुनाव: कांग्रेस का पीएम पर तंज

पूछा-वाराणसी-नागपुर कैसे हारे

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और सांसद जयराम रमेश ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि जनता ने केंद्र सरकार की नीतियों के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पारित किया है। उन्होंने वाराणसी, नागपुर, लखनऊ, प्रयागराज और पटना जैसे शहरों का जिक्र करते हुए बेरोजगारी, महंगाई और निजी निवेश में सुस्ती को लेकर सरकार पर सवाल उठाए। जयराम रमेश ने गुरुवार को सोशल मीडिया

मंच एक्स पर पोस्ट कर प्रधानमंत्री की हालिया टिप्पणियों पर भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की सीटों पर टिप्पणी करने से पहले प्रधानमंत्री को अपनी पार्टी के चुनावी प्रदर्शन पर आत्मविश्लेषण करना चाहिए।

वाराणसी और नागपुर का दिया उदाहरण

जयराम रमेश ने लिखा, प्रचनमंत्री जी को आत्मविश्लेषण की जरूरत है, लेकिन वे दूसरों को



प्रवचन दे रहे हैं। कांग्रेस की सीटें गिनने से पहले काश यह भी विचार कर लेते कि उनके अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी की दोनों सीटों पर भाजपा क्यों हारी और आरएसएस के गढ़

नासिक के खंडेश्वर महाराज गिरफ्तार

महिला की शिकायत पर यौन उत्पीड़न का मामला दर्ज

नाशिक। नाशिक जिले के येवला क्षेत्र में एक महिला की शिकायत के आधार पर उमाकांत खंडेश्वर महाराज के खिलाफ यौन उत्पीड़न का मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए उन्हें दिंडोरी क्षेत्र से गिरफ्तार किया। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, महिला येवला स्थित दत्तवाड़ी आश्रम में धार्मिक अनुष्ठान के लिए गई थी। इसी दौरान उसके साथ कथित तौर पर अनुचित व्यवहार और यौन उत्पीड़न किए जाने का आरोप है। पुलिस के अनुसार, शिकायत में महिला ने आरोप लगाया कि आश्रम में धार्मिक अनुष्ठान के दौरान उसके साथ अनुचित व्यवहार किया गया। महिला की शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। शिकायत दर्ज होने के बाद संबंधित ■ शेष पेज ५ पर

बस में पीछे से घुसी कार

दंपति और बेटी की मौके पर मौत, दो बच्चे गंभीर

गुरग्राम। दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर गुरुवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि दो बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गए। गांव धुनेला के पास तेज रफ्तार कार आगे चल रही बस के पिछले हिस्से में जा घुसी। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार बस के पिछले हिस्से में फंस गई और उसके परखच्चे उड़ गए। हादसे में कार सवार पति-पत्नी और उनकी बेटी ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। जानकारी अनुसार, कार दिल्ली-मुंबई



एक्सप्रेसवे पर तेज गति से जा रही थी। गुरुवार सुबह गांव धुनेला के पास चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका और कार आगे चल रही बस से पीछे की ओर टकरा गई। टक्कर के बाद कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई. कार का अगला हिस्सा बस के पिछले भाग में फंस जाने से उसमें सवार लोगों को गंभीर चोटें आईं.

यूपी में योगी सरकार ने कैरेक्टर सर्टिफिकेट के बदले नियम

हिंसा करने वालों को सरकारी नौकरी नहीं

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में सरकारी नौकरी पाने के लिए चरित्र सत्यापन के नियम सख्त हो गए हैं। सरकार ने कहा कि हिंसा करने वालों को सरकारी नौकरी नहीं दी जाएगी। राज्य सरकार की सेवाओं के लिए चर्यनित अभ्यर्थियों को अब चरित्र और अतीत का ब्योरा सत्यापन पूरा होने से पहले प्रोविजनल नियुक्ति पत्र दिया जा सकेगा। संवेदनशील और सुरक्षा से जुड़े पदों पर नियुक्ति से पहले विस्तृत जांच जरूरी होगी।

कुछ गंभीर अपराधों में शामिल पाए जाने पर अयोग्य सरकारी नौकरी के लिए अयोग्य माने जाएंगे। प्रमुख सचिव एम देवराज ने बुधवार को इस संबंध में नई नीति जारी की है।



चरित्र सत्यापन का नया नियम

इसके तहत सरकारी विभागों के साथ निगमों, परिषदों, शैक्षणिक संस्थानों, स्वायत्त निकायों, उपक्रमों, पंचायतों और स्थानीय निकायों में होने वाली सीधी भर्ती की नियुक्तियों के

लिए एकीकृत व्यवस्था लागू होगी। पहले से लंबित मामलों का निस्तारण भी इसी नीति के आधार पर किया जाएगा। सभी संबंधित अधिकारियों को नीति का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए गए हैं। नियुक्ति प्राधिकारी अभ्यर्थी का पूरा विवरण पुलिस महानिदेशक

(अभिसूचना), गृह जनपद के जिलाधिकारी और उन जिलाधिकारियों को भेजेंगे, जहां अभ्यर्थी पिछले पांच वर्षों में एक वर्ष से अधिक रहा हो।

चरित्र सत्यापन की होगी ये प्रक्रिया

जिलाधिकारी जिला पुलिस प्रमुख से रिपोर्ट लेकर अपनी रिपोर्ट नियुक्ति प्राधिकारी को भेजेंगे। सामान्य मामलों में पुलिस और स्थानीय अभिसूचना इकाई अपने अभिलेखों के आधार पर जांच करेंगी। अभ्यर्थी की भौतिक उपस्थिति, पृष्ठताछ या अतिरिक्त दस्तावेज की जरूरत नहीं होगी। विशेष मामलों में नियुक्ति प्राधिकारी के निर्देश पर मौके पर जांच कराई जा सकेगी।

केरल हाईकोर्ट ने जज की गिरफ्तारी पर लगाई रोक

कोच्चि मर्सिडीज हिट एंड रन केस

कोच्चि। केरलम के कोच्चि में मर्सिडीज हिट एंड रन मामले में केरल हाईकोर्ट ने अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश की गिरफ्तारी पर रोक लगा दी है। उनके १७ साल के बेटे का चेरानल्लूर कार दुर्घटना में हाथ था। इस घटना में जयकृष्णन नाम के एक व्यक्ति की मौत हो गई थी। न्यायाधीश की अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई के दौरान उच्च न्यायालय ने उनकी गिरफ्तारी की आवश्यकता पर सवाल उठाया। अदालत ने कहा कि वे एक न्यायिक अधिकारी हैं और उन्होंने पहले ही जांच में सहयोग किया है तथा पृष्ठताछ के लिए पेश हुए हैं।

अदालत ने क्या निर्देश दिया ?

अदालत ने उन्हें चल रही जांच में पूरा

सहयोग करने और जांच अधिकारी के सामने पेश होने का निर्देश दिया। इस बात पर जोर देते हुए कि न्यायिक फैसले जनधारणा या दबाव के आगे नहीं झुक सकते अदालत ने कहा कि जमानत याचिका पर विस्तृत बहस बाद में जारी रहेगी। अदालत ने कहा, चूंकि आवेदक केरल राज्य में जिला न्यायाधीश के कैडर में कार्यरत एक न्यायिक अधिकारी हैं, इसलिए उनके फरार होने या कानूनी प्रक्रिया से बचने का कोई सवाल ही नहीं उठता। दूसरे प्रतिवादी (चेरानाल्लूर पुलिस स्टेशन के एसएसओ) या इस मामले की जांच से जुड़े किसी भी अन्य पुलिस अधिकारी को अगले आदेश तक आवेदक को गिरफ्तार नहीं करना चाहिए। अदालत ने पीडित जयाबालकृष्णन के परिवार के सदस्यों ■ शेष पेज ५ पर

सोलहवां पुण्यत्सरण

स्व. श्रीमती अनु अरुण मेहाडिया
जन 15.07.1975 - स्वर्गवास 29.10.2010

मौरी मयूर स्मृतियाँ आपकी, कभी नहीं मिट पाएंगी। आपका व्यवहार, आपकी बातें सदैव याद आएंगी आज सोलहवें पुण्यत्सरण पर विनम्र श्रद्धांजली

श्रीकाकुत्स

(पति) अरुण (पितृ) सत्यनारायणजी मेहाडिया
रवि, प्रकाश, मनोहर, गोविंद, वरुण,

प्रतिक एवं समस्त मेहाडिया परिवार

रवि सिंघेटिक • बेला क्रिएशन
• यश टैक्सटाइल्स • रुद्र क्रिएशन
• गोविंदा कलेक्शन
• सत्यगीता इफ़न-डिल्लय प्रा.लि.

एस.बी. मेहाडिया मार्ग (मोदी रो. १), सिलाबडी, नागपुर.



करवा चौथ पर इस सरल विधि से करें पूजा

करवा चौथ एक शुभ हिंदू त्योहार है, जब विवाहित महिलाएं निर्जला व्रत रखती हैं। इस पावन दिन पर महिलाएं अपने पतियों की लंबी उम्र के लिए कठोर उपवास का पालन सूर्योदय से चंद्रोदय तक करती हैं। ऐसा माना जाता है कि जो महिलाएं इस व्रत को रखती हैं, उन्हें अखंड सौभाग्य प्राप्ति का वरदान मिलता है। साथ ही जीवन में खुशहाली आती है।

पूजन सामग्री
चंदन, शहद, धूप, माचिस, पुष्प (लाल और पीले), कच्चा दूध, शक्कर, शुद्ध घी, दही, मिठाई, गंगाजल, शुद्ध जल, कुंकू, अक्षत (चावल), सिंदूर, मेहंदी, महावर, कंधा, बिंदी, चुनरी, चूड़ी, बिछुआ, मिट्टी का टोंटीदार करवा व ढक्कन, दीपक, रुई, कपूर, गेहूं, शक्कर, हल्दी, पानी का लोटा, गौरी बनाने के लिए पीली मिट्टी, लकड़ी की चौकी, चलनी, आठ पूरियों की अटावरी, हलवा, दक्षिणा (दान) के लिए पैसे, आदि।

पूजन विधि
करवा चौथ के दिन ब्रह्म मुहूर्त में उठकर स्नान करें। फिर सरगी ग्रहण करें। इसके बाद निर्जला व्रत का संकल्प लें। फिर भगवान सूर्य को अर्घ्य देकर दिन की शुरुआत करें। मंदिर में शिव परिवार की विधिवत पूजा करें। उन्हें पुष्प, फल, मिठाई और मेवे आदि अर्पित करें। करवा चौथ की व्रत कथा का पाठ करें या सुनें। शाम के समय फिर से पूजा की तैयारी शुरू कर दें। एक पूजा थाली लें और उसमें फूल, फल, मिठाई, धूप-दीप, रोली आदि रखें। इसके पश्चात करवा लें और उसमें चावल भरकर उसे दक्षिणा के रूप में रख दें। चांद निकलने के बाद चंद्रमा को अर्घ्य दें। फिर छत्री में जलता हुआ दीपक रखें और चंद्र दर्शन करें। इसके बाद उसी छत्री से अपने पति का मुख देखें। फिर पति के हाथों से पानी पीकर अपना व्रत खोलें। पूजा में हुई गलतियों के लिए क्षमायाचना करें। घर के बड़े-बुजुर्गों का आशीर्वाद लें। फिर पूजन में उपयोग की गई श्रृंगार की सामग्री और करवा को सास या किसी सुहागिन स्त्री को दे दें और उनका भी आशीर्वाद लें। अंत में सात्विक भोजन ग्रहण करें।



क्यों मनाया जाता है करवा चौथ, क्या है इसके पीछे की कहानी?

करवा चौथ का पर्व मुख्य रूप से विवाहित महिलाओं द्वारा अपने पति की लंबी आयु, सुरक्षा, और सुख-समृद्धि के लिए मनाया जाता है। इसका धार्मिक, सांस्कृतिक और पौराणिक महत्व है, जो इसे एक विशेष और महत्वपूर्ण त्योहार बनाता है। करवा चौथ के व्रत से जुड़ी कई पौराणिक कथाएं और कहानियां हैं, जो करवा चौथ व्रत का महत्व और इसे मनाने का कारण बताती हैं। करवा चौथ हिंदू धर्म में विवाहित महिलाओं द्वारा रखा जाने वाला एक महत्वपूर्ण व्रत है। यह व्रत पति की लंबी उम्र और सुख-समृद्धि की कामना के लिए किया जाता है। इस व्रत का धार्मिक महत्व तो है ही, साथ ही यह पति-पत्नी के रिश्ते को और मजबूत बनाने में भी मदद करता है। करवा चौथ व्रत का व्रत पति की लंबी उम्र और स्वस्थ जीवन की कामना से किया जाता है। यह व्रत पति-पत्नी के बीच प्रेम और विश्वास को बढ़ाता है, माना जाता है कि यह व्रत महिलाओं को सौभाग्य प्रदान करता है। यह व्रत हिंदू धर्म की परंपराओं का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसलिए यह व्रत भारतीय संस्कृति का एक अहम हिस्सा है और पीढ़ी दर पीढ़ी चला आ रहा है। आइए जानते हैं कि करवा चौथ व्रत क्यों मनाया जाता है।

पूजा का शुभ मुहूर्त
करवा चौथ के दिन पूजा के लिए शुभ मुहूर्त का विशेष महत्व माना जाता है। साल 2026 में पूजा का शुभ समय शाम 5 बजकर 38 मिनट से 6 बजकर 56 मिनट तक बताया जा रहा है। इस दौरान महिलाएं करवा माता की पूजा कर सकती हैं।

कब चांद निकलेगा
करवा चौथ के व्रत में चंद्रमा के दर्शन का विशेष महत्व होता है। पंचांग के अनुसार, 29 अक्टूबर 2026 को चंद्रोदय रात करीब 8 बजकर 17 मिनट पर होने की संभावना है। इसके बाद आप अपने व्रत का पारण कर सकती हैं।

क्यों मनाया जाता है करवा चौथ?
वीरवती की कथा
पौराणिक कथाओं के अनुसार, प्राचीन काल में वीरवती नाम की एक सुंदर और धर्मनिष्ठ राजकुमारी थीं। वह अपने सात भाइयों की

इकलौती बहन थीं। विवाह के बाद, वीरवती ने पहली बार अपने पति की लंबी उम्र के लिए करवा चौथ का व्रत रखा, उसने दिनभर अन्न-जल ग्रहण नहीं किया और पूरी श्रद्धा के साथ व्रत का पालन किया। लेकिन दिन ढलते-ढलते भूख और थकावट के कारण वह अत्यधिक कमजोर हो गई। वीरवती की यह दशा देखकर उसके भाई चिंतित हो गए। वे अपनी बहन की हालत देखकर दुखी हो गए और उसे व्रत तोड़ने के लिए मनाने लगे, लेकिन वीरवती ने कहा कि जब तक चंद्रमा उदित नहीं होता, वह व्रत नहीं तोड़ेगी। वीरवती के भाइयों ने अपनी बहन की हालत देखकर एक उपाय सोचा। उन्होंने पेड़ की आड़ में छल से एक दर्पण का उपयोग करके नकली चंद्रमा बना दिया। भाइयों ने वीरवती से कहा कि चंद्रमा निकल आया है और उसे देखकर व्रत तोड़ लो। वीरवती ने वह नकली चंद्रमा देखकर व्रत तोड़ दिया और जल ग्रहण कर लिया। जैसे ही उसने व्रत तोड़ा, उसे यह सूचना मिली कि उसका पति गंभीर रूप से बीमार हो गया है। वीरवती को तुरंत आभास हुआ कि उसने चंद्रमा की पूजा किए बिना और सही समय से पहले व्रत तोड़ दिया, जिसके कारण यह अनहोनी हुई। वह अत्यधिक दुखी हुई और पश्चाताप करने लगीं। अपने पति की लंबी आयु के लिए वीरवती ने दृढ़ संकल्प किया और पूरी श्रद्धा के साथ करवा चौथ का व्रत फिर से रखा। उसकी भक्ति और समर्पण से प्रसन्न होकर माता पार्वती ने उसे आशीर्वाद दिया और उसका पति स्वस्थ हो गया।



महाभारत काल से जुड़ी कथा
महाभारत में भी एक कहानी है जो करवा चौथ से जुड़ी हुई है। जब अर्जुन युद्ध करने नीलगिरी पर्वत पर गए थे, तो द्रौपदी बहुत चिंतित थीं। उन्होंने भगवान कृष्ण से अपने पति की सुरक्षा के लिए मार्गदर्शन मांगा। कृष्ण ने उन्हें करवा चौथ का व्रत रखने और शिव-पार्वती की पूजा करने की सलाह दी। द्रौपदी ने व्रत रखा, जिससे अर्जुन सुरक्षित रहे। कथाओं में इस कहानी को भी करवा चौथ से जोड़ कर देखा जाता है।

करवा और पति की कथा
तीसरी प्रसिद्ध कथा करवा नामक महिला की है, जो अपने पति के प्रति अत्यधिक समर्पित थीं। एक दिन जब उसका पति नदी में स्नान कर रहा था, तब एक मगरमच्छ ने उसे पकड़ लिया। करवा ने अपने पति की रक्षा के लिए दृढ़ संकल्प लिया और मगरमच्छ को एक सूती धागे से बांध दिया। फिर उसने यमराज से प्रार्थना की कि मगरमच्छ को दंड दें और उसके पति की रक्षा करें। यमराज करवा के समर्पण से प्रभावित हुए और मगरमच्छ को दंडित किया और उसके पति को दीर्घायु का आशीर्वाद दिया। इस तरह की और भी पौराणिक कथाएं हैं जिन्हें करवा चौथ के व्रत से जोड़कर देखा जाता है।

करवा चौथ व्रत का महत्व
करवा चौथ एक ऐसा त्योहार है जो विवाहित महिलाओं के लिए बेहद खास होता है। यह त्योहार पति की लंबी उम्र और सुख-समृद्धि की कामना के लिए मनाया जाता है। माना जाता है कि इस व्रत को रखने से पति की उम्र लंबी होती है। करवा चौथ का व्रत पति-पत्नी के बीच प्रेम और विश्वास को बढ़ाता है। यह व्रत दोनों के बीच के बंधन को और मजबूत बनाता है। यह व्रत महिलाओं को सौभाग्य प्रदान करता है, माना जाता है कि इस व्रत को रखने से महिलाएं सुखी और समृद्ध जीवन जीती हैं। करवा चौथ भारतीय संस्कृति का एक अहम हिस्सा है और पीढ़ी दर पीढ़ी चला आ रहा है। यह त्योहार महिलाओं को एक साथ लाता है और उन्हें एक-दूसरे के साथ जुड़ने का मौका देता है।



सुहागिनों का पवित्र एवं सौभाग्य का व्रत करवा चौथ

सुहागिनों का पवित्र एवं सौभाग्य का व्रत करवा चौथ इस बार 29 अक्टूबर को मनाया जाएगा। सुहागिन या पतिव्रता स्त्रियों के लिए करवा चौथ बहुत ही महत्वपूर्ण व्रत है। यह व्रत कार्तिक कृष्ण की चंद्रोदय व्यापिनी चतुर्थी को किया जाता है। स्त्रियां इस व्रत को पति की दीर्घायु के लिए रखती हैं। यह व्रत अलग-अलग क्षेत्रों में वहां की प्रचलित मान्यताओं के अनुरूप रखा जाता है, लेकिन इन मान्यताओं में थोड़ा-बहुत अंतर होता है।

सार तो सभी का एक होता है-पति की दीर्घायु। इस पर्व पर महिलाएं हाथों में मेहंदी रचाती हैं, 16 श्रृंगार करती हैं एवं पति की पूजा कर व्रत का पारायण करती हैं।
करवा चौथ व्रत विधि : करवा चौथ में लगने वाली आवश्यक पूजन सामग्री को एकत्र करें। व्रत के दिन प्रातः स्नानादि करने के पश्चात यह संकल्प बोलकर करवा चौथ व्रत का आरंभ करें- ‘मम सुख सौभाग्य पुत्र-पौत्रादि सुस्थिर श्री प्रातये करक चतुर्थी व्रतमहं करिष्ये।’
पूरे दिन निर्जला रहें। दीवार पर गेरू से फलक बनाकर पिसे चावलों के घोल से करवा मांडें। इसे ‘वर’ कहते हैं। चित्रित करने की कला को ‘करवा धरना’ कहा जाता है। 8 पूरियों की अटावरी बनाएं। हलुआ बनाएं। पक्के पकवान बनाएं। पीली मिट्टी से गौरी बनाएं और उनकी गोद में गणेशजी बनाकर बिटाएं। गौरी को लकड़ी के आसन पर बिटाएं। चौक बनाकर आसन को उस पर रखें। गौरी को चुनरी ओढ़ाएं। बिंदी आदि सुहाग सामग्री से गौरी का श्रृंगार करें। जल से भरा हुआ लोटा रखें। वायना (भेंट) देने के लिए मिट्टी का टोंटीदार करवा लें।
करवा में गेहूं और ढक्कन में शकर का बूरा भर दें। उसके ऊपर दक्षिणा रखें। रोली से करवे पर स्वस्तिक बनाएं। गौरी-गणेश और चित्रित करवे की परंपरानुसार पूजा करें। पति की दीर्घायु की कामना कर पढ़ें यह मंत्र -
नमस्त्ये शिवायै शर्वाण्यै सौभाग्यं संतति शुभा।
प्रयच्छ भक्तियुक्तानां नारीणां ह्रस्वल्लभे।
करवे पर 13 बिंदी रखें और गेहूं या चावल के 13 दाने हाथ में लेकर करवा चौथ की कथा कहें या सुनें। कथा सुनने के बाद करवे पर हाथ घुमाकर अपनी सासुजी के पैर छूकर आशीर्वाद लें और करवा उन्हें दें दें। 13 दाने गेहूं के और पानी का लोटा या टोंटीदार करवा अलग रख लें। रात्रि में चंद्रमा निकलने के बाद छलनी की ओट से उसे देखें और चंद्रमा को अर्घ्य दें। इसके बाद पति से आशीर्वाद लें। उन्हें भोजन कराएं और स्वयं भी भोजन कर लें। पूजन के पश्चात आस-पड़ोस की महिलाओं को करवा चौथ की बधाई देकर पर्व को संपन्न करें।



इन 6 विशेष नियमों के बिना अधूरा माना जाता है करवाचौथ व्रत

करवाचौथ का त्योहार इस साल 29 अक्टूबर को है। हिन्दू पंचांग के अनुसार करवाचौथ का पर्व कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को मनाया जाता है। करवाचौथ पर सुहागिनें अपने पति की लंबी उम्र के लिए व्रत रखती हैं और विधि-विधान के साथ पूजा करके अपने विवाहित जीवन की खुशहाली के लिए प्रार्थना करती हैं। विभिन्नताओं से भरे इस देश में करवाचौथ व्रत मनाने के कई तरीके हैं। सभी लोग अपनी-अपनी परम्पराओं का निर्वाह करते हुए करवाचौथ के विभिन्न रीति-रिवाज और नियमों का अनुसरण करते हैं लेकिन करवाचौथ के कुछ विशेष नियम ऐसे हैं, जिन्हें हर व्रती महिलाओं को मानना चाहिए। आइए, जानते हैं करवाचौथ के व्रत के नियम।

निर्जला रखा जाता है व्रत
करवाचौथ व्रत में कई जगह सरगी का रिवाज है। सरगी सास बहुओं को देती है, जिसमें मेवे, फल, मिठाई, और श्रृंगार का सामान शामिल होता है। इसे सूर्योदय से पहले खाना होता है। इसके बाद रात्रि तक चंद्रदेव को अर्घ्य देने तक निर्जला व्रत का पालन करना होता है। अगर किसी महिला के परिवार में सरगी की

परम्परा नहीं है, तो भी कर कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि लगने के बाद कुछ खाने या पीने से परहेज करते हुए निर्जला व्रत का पालन करें।
इन 6 चीजों को श्रृंगार में जरूर करें शामिल
आप अपनी पसंद के अनुसार किसी भी रंग के कपड़े पहन सकते हैं और श्रृंगार कर सकते हैं लेकिन करवाचौथ पर विवाहित महिलाओं को श्रृंगार की 6 चीजों को धारण जरूर करना चाहिए। ये 6 श्रृंगार हैं- मेहंदी, सिंदूर, मंगलसूत्र, चूड़ियां, बिंदी और बिछिया। करवाचौथ के दिन इन चीजों को धारण करके विधि-विधान के साथ करवा माता की पूजा करने से सौभाग्य में वृद्धि होती है और वैवाहिक जीवन खुशहाल बनता है।

चांद देखकर ही खोलें व्रत
करवाचौथ का सबसे जरूरी और विशेष नियम है कि विधि-विधान के साथ पूजा करने के बाद रात्रि में चंद्रदेव की पूजा और उन्हें अर्घ्य जरूर दें। साथ ही करवाचौथ की कथा सुनने के साथ ही भगवान शिव, माता पार्वती, कार्तिकेय, गणेश जी की पूजा भी जरूर

करनी चाहिए। इससे आपका वैवाहिक जीवन खुशहाल रहता है और आप जीवन में तरक्की करते हैं।
मिट्टी के करवे से देना चाहिए चंद्रदेव को अर्घ्य
करवाचौथ के त्योहार में यह नियम भी विशेष है। करवाचौथ पर व्रती महिलाओं को चंद्रमा की मिट्टी के करवे से ही अर्घ्य देना चाहिए। मिट्टी का करवा शुद्धता का प्रतीक माना जाता है। पौराणिक मान्यता है कि मिट्टी का करवा धरती तत्व का प्रतीक है। इस कारण से मिट्टी का करवा अर्घ्य देने के लिए विशेष माना जाता है।

विधि-विधान के साथ पूजा करके दान जरूर करें
करवाचौथ पर विधि-विधान के साथ पूजा करके दान को भी बहुत ही आवश्यक माना गया है। करवाचौथ का व्रत रखने वाली महिलाएं एक थाली में श्रृंगार का सामान चूड़ियां, बिंदी, सिंदूर, शीशा, कंधी, रिबन और शगुन आदि अपनी विवाहित सास, जेठानी या फिर विवाहित वरिष्ठ महिला को दे सकती हैं।
पूर्व मुखी होकर करें करवाचौथ व्रत की पूजा
करवाचौथ व्रत की विशेष पूजा की व्यवस्था के लिए मंदिर इस तरह से लगाना चाहिए कि पूजा करते समय आपका मुख पूर्व दिशा की ओर रहे और पीठ पश्चिम दिशा में। इसका अर्थ यह है कि करवा माता का मंदिर भी पूर्व दिशा में स्थापित करें। करवाचौथ व्रत की पूजा या फिर किसी भी मांगलिक कार्य की पूजा को पूर्व दिशा की तरफ मुख करके ही करना चाहिए।



प्रवीण विघरे द्वारा पोस्ट की गई तस्वीर।



संजय डबली द्वारा पोस्ट की गई तस्वीर।



रितिका वाधवानी द्वारा पोस्ट की गई तस्वीर।



दीपिका बागडेकर द्वारा पोस्ट की गई तस्वीर।



अनिल गडेकर द्वारा पोस्ट की गई तस्वीर।



दर्शन बागवे द्वारा पोस्ट की गई तस्वीर।



सुनील वाघमारे द्वारा पोस्ट की गई तस्वीर।



धीरज फंडी द्वारा पोस्ट की गई तस्वीर।



प्रीति जायसवाल द्वारा पोस्ट की गई तस्वीर।



गौरव दलाल द्वारा पोस्ट की गई तस्वीर।



करिश्मा कौर बेदी द्वारा पोस्ट की गई तस्वीर।



सोनिया परमार द्वारा पोस्ट की गई तस्वीर।



नेहा जुडवानी द्वारा पोस्ट की गई तस्वीर।



प्रणाली कांबे काले द्वारा पोस्ट की गई तस्वीर।

छुट्टियों के बोझ तले दबा प्रशासन

भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल होने और विकसित राष्ट्र बनने का सपना दिखाया जा रहा है। देश में प्रतिभा है, युवा शक्ति है, उद्यमशीलता है और संसाधनों की कमी भी नहीं है। इसके बावजूद एक बुनियादी सवाल का जवाब तलाशना जरूरी है-क्या हमारी प्रशासनिक व्यवस्था देश की आर्थिक क्षमता के अनुरूप काम कर रही है? एक ओर किसान कर्ज, मौसम और बाजार की मार झेलता है। मजदूर को रोज काम करके अपनी आजीविका चलानी पड़ती है। निजी क्षेत्र के कर्मचारी को निर्धारित लक्ष्य पूरे करने होते हैं और व्यापारी को बाजार में टिके रहने के लिए लगातार संघर्ष करना पड़ता है। दूसरी ओर सरकारी कार्यालयों की कार्यसंस्कृति को लेकर अक्सर यह शिकायत सुनाई देती है कि काम समय पर नहीं होता, फाइलें लंबित रहती हैं, अधिकारी उपलब्ध नहीं होते और सामान्य नागरिक को अपने ही काम के लिए बार-बार चक्कर लगाने पड़ते हैं। यह स्थिति केवल प्रशासनिक असुविधा नहीं है। इसका संबंध देश की उत्पादकता, निवेश, रोजगार और आर्थिक विकास से भी है।

सवाल यह नहीं है कि सरकारी कर्मचारियों को छुट्टी क्यों मिलती है। सवाल यह है कि जनता के घर से वेतन पाने वाली व्यवस्था जनता के प्रति अपनी जिम्मेदारी कितनी गंभीरता से निभाती है। कर्मचारियों को उचित विश्राम, पारिवारिक जीवन और वैधानिक छुट्टियों का अधिकार है। लेकिन अधिकारों के साथ कर्तव्य भी जुड़े होते हैं। यदि कोई कर्मचारी अपने अधिकारों के प्रति सजग है, तो उससे यह अपेक्षा करना भी उचित है कि वह अपने कर्तव्यों का निर्वहन ईमानदारी और समयबद्ध तरीके से करे। देश को ऐसी कार्यसंस्कृति की जरूरत है जिसमें वेतन, पद और सुविधाओं के साथ काम की गुणवत्ता तथा जवाबदेही भी सुनिश्चित हो।

भारत में छुट्टियों की व्यवस्था और कामकाज के दिन

भारत विविध धर्मों, पंथों, संप्रदायों और सांस्कृतिक परंपराओं का देश है। वर्षभर अलग-अलग त्योहार, जयंती और स्मृति दिवस आते हैं। इनका सामाजिक और सांस्कृतिक महत्व है। लेकिन इनके साथ सरकारी कार्यालयों में होने वाले अवकाशों की व्यवस्था पर भी गंभीरता से विचार करना चाहिए। केन्द्र सरकार के अधिकांश सामान्य प्रशासनिक कार्यालयों में शनिवार और रविवार को साप्ताहिक अवकाश रहता है। इस प्रकार वर्ष में लगभग १०४ दिन सप्ताहांत के कारण कार्यालय बंद रहते हैं। इसके अतिरिक्त सार्वजनिक अवकाश भी होते हैं। उदाहरण के लिए, दिल्ली स्थित केंद्रीय सरकारी प्रशासनिक कार्यालयों के लिए, २०२६ की घोषित सूची में १७ राजपत्रित अवकाश हैं। हालांकि, कुछ अवकाश शनिवार या रविवार को पड़ते हैं, इसलिए उन्हें साप्ताहिक छुट्टियों के ऊपर अलग से जोड़ना सही नहीं होगा। अन्य राज्यों और कार्यालयों में छुट्टियों की सूची अलग हो सकती है। इस गणना से स्पष्ट है कि सरकारी कर्मचारियों को मिलने वाले अवकाशों और कामकाजी दिनों का संतुलन समझना आवश्यक है। लेकिन असली चिंता केवल छुट्टियों की संख्या नहीं

है। चिंता इस बात की है कि उपलब्ध कार्यदिवसों का कितना हिस्सा वास्तव में उत्पादक काम में लगाया जाता है। यदि किसी कार्यालय में निर्धारित समय पर काम शुरू नहीं होता, फाइलों पर निर्णय लेने में अनावश्यक देरी होती है और कर्मचारी अपनी जिम्मेदारियों को गंभीरता से नहीं लेते, तो उपलब्ध कार्यदिवसों का महत्व भी कम हो जाता है। दुर्भाग्य से, अनेक नागरिकों का अनुभव यही है कि सरकारी कामकाज में समय की कीमत को वह महत्व नहीं मिलता, जो निजी क्षेत्र या दैनिक मजदूरी पर निर्भर व्यक्ति के जीवन में मिलता है। जिस कर्मचारी का वेतन जनता के घर से आता है, उसे जनता के समय की कीमत भी समझनी चाहिए।

सरकारी कर्मचारियों की जवाबदेही कहां है?

निजी क्षेत्र में कर्मचारी को अपने काम, लक्ष्य और परिणामों के लिए जवाब देना पड़ता है। काम लगातार खराब रहने पर उसके मूल्यांकन पर असर पड़ता है और अनुशासनात्मक कार्रवाई भी हो सकती है। लेकिन सरकारी व्यवस्था में आम नागरिक को कई बार यह समझ नहीं आता कि उसका काम किस अधिकारी के पास रुका है, देरी के लिए कौन जिम्मेदार है और शिकायत करने पर वास्तविक कार्रवाई होगी या नहीं। सरकारी कर्मचारियों का एक वर्ग निष्ठापूर्वक काम करता है, लेकिन जहां लापरवाही, कामचोरी और जवाबदेही से बचने की प्रवृत्ति है, वहां सख्त कार्रवाई जरूरी है। दम्तर में समय पर पहुंचना, निर्धारित समय तक उपस्थित रहना और फाइलों को आगे बढ़ाना कोई एहसान नहीं, बल्कि नौकरी की बुनियादी जिम्मेदारियां हैं। इसके लिए वेतन और अन्य सुविधाएं दी जाती हैं। फिर भी यदि किसी नागरिक को एक साधारण प्रमाणपत्र के लिए कई सप्ताह इंतजार करना पड़े, पेंशन के लिए बुजुर्ग को बार-बार कार्यालय जाना पड़े या किसान को सरकारी सहायता पाने के लिए अधिकारियों के चक्कर लगाने पड़ें, तो व्यवस्था से सवाल पूछना स्वाभाविक है। सरकारी नौकरी जनता की सेवा का दायित्व है, केवल वेतन, सुखा और सुविधाएं प्राप्त करने का साधन नहीं।

सरकारी लापरवाही का आर्थिक नुकसान

सरकारी कामकाज में देरी का आर्थिक नुकसान समझने के लिए कुछ प्रमाणित आंकड़ों पर ध्यान देना आवश्यक है।

शिकायतों का विशाल बोझ

केंद्र सरकार के अनुसार, केंद्रीयकृत लोक शिकायत निवारण एवं निगरानी प्रणाली (CPGRIMS) पर वर्ष २०२१ से फरवरी २०२६ तक कुल १,११,८९,३८४ शिकायतें प्राप्त हुईं। इनमें २०२५ में ही २२,७८,२५६ शिकायतें दर्ज की गईं। वर्ष २०२५ में केंद्रीय मंत्रालयों और विभागों में शिकायतों के निस्तारण का औसत समय १५ दिन था और ८२.१ प्रतिशत शिकायतों का निपटारा निर्धारित २१ दिनों की समयसीमा में हुआ। फिर भी करोड़ों शिकायतों का यह आंकड़ा बताता है कि नागरिकों और

सरकारी व्यवस्था के बीच समस्याओं का पैमाना कितना बड़ा है। शिकायतों का निस्तारण होना अच्छी बात है, लेकिन इससे भी बेहतर स्थिति वह होगी जिसमें लापरवाही और खराब प्रक्रियाओं को पहले ही सुधार दिया जाए, ताकि नागरिकों को शिकायत दर्ज कराने की जरूरत कम पड़े।

अनुपस्थित रहने की आर्थिक कीमत

सरकारी शिक्षा व्यवस्था में शिक्षक की अनुपस्थिति के आर्थिक और सामाजिक प्रभाव पर एक महत्वपूर्ण अध्ययन हुआ था नेशनल ब्यूरो ऑफ इकोनॉमिक रिसर्च में प्रकाशित २०१४ के एक अध्ययन में भारत में सरकारी शिक्षकों की अनधिकृत अनुपस्थिति की वेतन लागत लगभग १.५ अरब अमेरिकी डॉलर



प्रतिवर्ष आंकी गई थी। अध्ययन का आधार उस समय के आंकड़े थे; इसे २०२६ का वर्तमान नुकसान नहीं समझना चाहिए। शोधकर्ताओं ने यह भी पाया कि निरीक्षण की आवृत्ति बढ़ने का संबंध शिक्षकों की अनुपस्थिति में कमी से था। (National Bureau of Economic Research) यह आंकड़ा विशेष रूप से चिंताजनक है, क्योंकि शिक्षक का अनुपस्थित रहना केवल वेतन की बर्बादी नहीं है। इससे बच्चों की पढ़ाई प्रभावित होती है, पाठ्यक्रम पीछे छूटता है और गरीब परिवारों के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पाने के अवसर कम मिल सकते हैं।

इस उदाहरण से एक व्यापक सबक मिलता है: सरकारी कर्मचारी की अनुपस्थिति या निष्क्रियता की कीमत केवल सरकारी खजाना नहीं चुकाता; उसका बोझ आम नागरिक भी उठाता है।

अर्थव्यवस्था को संभावित नुकसान कितना बड़ा हो सकता है?

भारत के सकल घरेलू उत्पाद का आकार बहुत बड़ा है। आर्थिक वर्ष २०२५-२६ के लिए अप्रैल २०२६ में प्रकाशित झटके के वार्षिक समीक्षा दस्तावेज में नाममात्र ऋद्धि लगभग

रु. ३.४५ लाख करोड़ का अनुमान दिया गया था।

सरकार को चाहिए कि वह प्रशासनिक देरी, अनावश्यक अनुपस्थिति, लंबित अनुमतियों और नागरिकों के काम में बाधाओं की आर्थिक लागत पर व्यवस्थित अध्ययन कराए। इससे पता चल सकेगा कि किन विभागों में सुधार की सबसे अधिक जरूरत है और कौन-से उपाय सबसे प्रभावी होंगे।

छुट्टी से अधिक खतरनाक है छुट्टी के बाद भी काम न करने की मानसिकता

छुट्टी लेना अपने आप में कोई अपराध नहीं है। लेकिन छुट्टी के नाम पर कामकाज ठप हो जाना, अवकाश से पहले जरूरी फाइलों को जानबूझकर रोकना और कार्यालय खुलने के बाद भी मामलों का निपटारा नहीं करना गंभीर प्रशासनिक समस्याएं हैं। नागरिकों को कई बार यह अनुभव होता है कि सरकारी काम के लिए एक दिन कार्यालय जाने पर पता चलता है कि अधिकारी उपलब्ध नहीं हैं। अगले दिन जाने पर संबंधित कर्मचारी नहीं मिलता। फिर दस्तावेज की कमी बताई जाती है और अंततः एक छोटा-सा काम पूरा करने में कई सप्ताह लग जाते हैं। ऐसे अनुभव हर कार्यालय में होते हैं और उनका प्रभाव गहरा होता है। दैनिक मजदूरी करने वाला व्यक्ति सरकारी कार्यालय के चक्कर में एक दिन की कमाई खो सकता है। छोटे व्यापारी का कारोबार प्रभावित हो सकता है। किसान की बुआई या कटाई के समय जरूरी दस्तावेज न मिलने से उसका काम अटक सकता है। क्या सरकारी व्यवस्था इन नागरिकों के नुकसान की जिम्मेदारी लेती है? क्या लापरवाही करने वाले अधिकारी से पूछा जाता है कि एक साधारण काम में इतना समय क्यों लगा? क्या पीड़ित नागरिक को समय और पैसे की बर्बादी का कोई समाधान मिलता है? इन सवालों का जवाब केवल कागजी नियमों से नहीं, बल्कि वास्तविक कार्रवाई से मिलना चाहिए।

चुनाव, हड़ताल और अतिरिक्त बंदी पर भी हो विचार

सरकारी कार्यालयों के कामकाज पर चुनाव, प्राकृतिक आपदाओं, कानून-व्यवस्था की घटनाओं और कर्मचारी आंदोलनों का प्रभाव पड़ सकता है। इन सभी परिस्थितियों को एक समान मानना उचित नहीं होगा। चुनाव लोकतंत्र का अनिवार्य प्राथमिकता होते हैं। कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए भी प्रशासनिक संसाधनों की आवश्यकता पड़ती है। लेकिन इन परिस्थितियों का बहाना बनाकर सामान्य नागरिक सेवाओं को अनिश्चितकाल तक बाधित नहीं होने देना चाहिए। चुनाव के समय वैकल्पिक कर्मचारियों की व्यवस्था, आपदा के दौरान जरूरी सेवाओं की निरंतरता और हड़ताल की स्थिति में आवश्यक नागरिक सेवाओं को चालू रखने की योजना होनी चाहिए। विशेष रूप से उन सेवाओं को प्राथमिकता दी जानी चाहिए जिनका संबंध जीवन, आजीविका और नागरिक अधिकारों से है। सरकारी कर्मचारियों की कार्यसंस्कृति में सुधार के लिए सख्त कदम

अब केवल उपदेश देने से काम नहीं चलेगा। सरकार को ऐसी व्यवस्था बनानी होगी जिसमें काम की गुणवत्ता मापी जा सके और लापरवाही की पहचान की जा सके।

पहला-बायोमेट्रिक उपस्थिति और पारदर्शी निगरानी:

उपस्थिति दर्ज करने की विश्वसनीय व्यवस्था हो। हालांकि, केवल बायोमेट्रिक उपस्थिति से उत्पादकता सुनिश्चित नहीं होती; इसलिए काम के परिणामों की भी समीक्षा होनी चाहिए।

दूसरा-हर काम की समयसीमा: नागरिक सेवाओं के लिए स्पष्ट समयसीमा निर्धारित हो। देरी होने पर संबंधित अधिकारी कारण बताए और जानबूझकर की गई लापरवाही पर नियमानुसार कार्रवाई हो।

तीसरा-काम के आधार पर मूल्यांकन: कर्मचारियों का वार्षिक मूल्यांकन केवल वरिष्ठ अधिकारी की राय पर निर्भर न रहे। उसमें काम की गुणवत्ता, लंबित मामलों, समयबद्ध निस्तारण और नागरिकों की प्रतिक्रिया को भी उचित महत्व दिया जाए।

चौथा-लापरवाही पर दंड: बार-बार अनुपस्थित रहने, जानबूझकर फाइल रोकने, भ्रष्टाचार या नागरिकों को परेशान करने के मामलों में निष्पक्ष जांच और नियमों के अनुसार कार्रवाई हो। साथ ही, कर्मचारियों को अपना पक्ष रखने का उचित अवसर दिया जाए।

पांचवां-अच्छे काम को प्रोत्साहन: जो कर्मचारी कम समय में गुणवत्तापूर्ण काम करते हैं और नागरिकों की समस्याओं का प्रभावी समाधान करते हैं, उन्हें सम्मान तथा उचित प्रोत्साहन मिले।

छठा-डिजिटल व्यवस्था: आवेदन, भुगतान, दस्तावेज और फाइलों की स्थिति ऑनलाइन उपलब्ध हो। किसी अधिकारी की अनुपस्थिति में जरूरी काम दूसरे अधिकृत अधिकारी को सौंपने की व्यवस्था हो।

सातवां-छुट्टियों की समीक्षा: सार्वजनिक अवकाशों और वैकल्पिक अवकाशों की व्यवस्था की समीक्षा की जाए। जहां आवश्यक और व्यावहारिक हो, वहां अलग-अलग कर्मचारियों के अवकाश समायोजित करके जरूरी सेवाओं को चालू रखा जाए। कर्मचारियों के वैधानिक अधिकारों का उल्लंघन किए बिना कामकाज की निरंतरता सुनिश्चित की जाए।

आठवां-जनता के प्रति जवाबदेही: प्रत्येक विभाग की वार्षिक रिपोर्ट में प्राप्त आवेदनों, निस्तारित मामलों, लंबित कार्यों और देरी के कारणों का विवरण सार्वजनिक किया जाए। इन उपायों का उद्देश्य सरकारी कर्मचारियों को शत्रु मानना नहीं, बल्कि सरकारी व्यवस्था को जनता के प्रति अधिक जिम्मेदार बनाना है।

निष्कर्ष: सरकारी नौकरी अधिकारों के साथ कर्तव्यों का भी नाम है। भारत को विकसित राष्ट्र बनाना है तो प्रशासनिक व्यवस्था में उठाना पड़ सकता है। लेकिन यह भी उतना ही जरूरी है कि ईमानदार कर्मचारियों को अनावश्यक रूप से दोषी न ठहराया जाए। पर्याप्त कर्मचारियों, संसाधनों और प्रशिक्षण के बिना बेहतर परिणामों की अपेक्षा करना भी उचित नहीं है। सुधार की जिम्मेदारी सरकार, विभागीय नेतृत्व और कर्मचारियों-सभी की है।

- संजय अग्रवाल, नागपुर



चक्रवाती ‘अर्नब’ से बदला मौसम का मिजाज, धान उत्पादकों किसानों की चिंता बढ़ी



» **जिला प्रतिनिधि गोंदिया।** बुधवार २८ अक्टूबर को जिले में दिनभर आसमान में काले बादलों का जमावड़ा रहा और शाम होते-होते मौसम ने करवट बदल ली। तेज हवाओं के साथ कहीं हलकी तो कहीं मध्यम बारिश हुई और देर रात जमकर मेघ बरस पड़े। अक्टूबर के आखिरी दिनों में हुई इस

मौसम का यू-टर्न, झमाझम बरसे मेघ

कुछ हिस्सों में २८ और २९ अक्टूबर को बारिश की संभावना जताई गई थी। मौसम विभाग की यह चेतावनी सही साबित हुई। २८ अक्टू. के रात जमकर मेघ बरसते रहे। सेतु बारिश से शहर के कई हिस्सों में सड़कों पर पानी जमा होने की स्थिति बन गई। अचानक बदले मौसम ने लोगों को एक बार फिर बारिश का अहसास करा दिया। आज २९ अक्टू. के सुबह समाचार लिखे जाने तक आसमान काले बादलों से घिरा हुआ है और बारिश की संभावना बनी हुई है।



धान की कूट बारिश में गीली होने की वजह से अंदर के चावल दाने में पीलापन आना तय है। पाखंडु धान का मंडियों में मोल नहीं मिलता इसे लेकर भी किसान बेहद चिंतित हैं। इसके अलावा अलसी, तिलहन और सब्जियों की फसलों पर भी मौसम के अनुसार प्रतिकूल असर पड़ सकता है। फिलहाल अक्टूबर के अंतिम दिनों में बारिश की मौजूदगी ने मौसम का समीकरण ही बदल दिया है और लोगों को ठंड का अहसास होने लगा है।

धान की फसल पर मंडराने लगा संकट

गोंदिया जिले में धान की खेती बड़े पैमाने पर होती है। इस समय खेतों में धान की कटाई, मड़ाई और फसल को सुखाने का काम जारी है, ऐसे में धान की फसल भीगने पर उसकी गुणवत्ता प्रभावित होने का खतरा बना हुआ है। किसानों की खेतों में काटकर रखी गई

अब.. रेलवे काउंटर से टिकट बुकिंग पर भी मिलेगा ‘यात्रा बीमा’

नगर संवाददाता गोंदिया। रेल यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के नागपुर मंडल ने २७ अक्टूबर २0२६ से आरक्षण काउंटरों पर भी वैकल्पिक यात्रा बीमा योजना (ओटीआईएस) की सुविधा उपलब्ध कराने की पहल की है। अब तक यह सुविधा मुख्य रूप से ऑनलाइन ई-टिकट बुकिंग के दौरान उपलब्ध थी। नई व्यवस्था के तहत पात्र यात्री काउंटर से आरक्षित टिकट लेते समय भी बीमा का विकल्प चुन सकेंगे। नागपुर मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक दिलीप सिंह ने बताया कि यह सुविधा पूरी तरह स्वेच्छिक होगी। यात्री की सहमति के बाद ही बीमा उपलब्ध कराया जाएगा। इसके लिए वैध मोबाइल

नंबर देना और निर्धारित प्रीमियम का डिजिटल भुगतान करना आवश्यक होगा।

0.४५ में 90 लाख तक का बीमा कवर

योजना के तहत प्रति यात्री 0.४५ (सभी कर्तों सहित) के प्रीमियम पर पॉलिसी की शर्तों के अनुसार मृत्यु या स्थायी पूर्ण दिव्यांगता की स्थिति में १0 लाख तक, स्थायी आंशिक दिव्यांगता पर ७.५0 लाख तक का बीमा कवर मिलेगा। दुर्घटना के कारण अस्पताल में भर्ती होने पर २ लाख तक चिकित्सा व्यय तथा पार्थिव शरीर के परिवहन के लिए १0,000 तक नवगण्डे ने सालेकसा थाने में शिकायत दर्ज करायी जिसके अपाार पर पुलिस ने आरोपी शुभम के खिलाफ अ.क्र.५३२/२६ की धारा ११८ (१), ३५२ के तहत अपराध दर्ज किया है। इसी प्रकरण में शुभम दमाहे की रिपोर्ट पर सालेकसा पुलिस ने आरोपी राकेश ओमप्रकाश नवगण्डे (२७) तथा खुशबु (१९) के खिलाफ अ.क्र. ५३३/२६ की धारा ११८ (१), ३५२ के तहत अपराध दर्ज किया है। रिपोर्ट के मुताबिक फियांदी भोजन करने के बाद मोहल्ले में टहल रहा था तभी आरोपी राकेश ने अपनी स्कूटी से कट मारी इसपर फियांदी ने उसे हड़काया लेकिन आरोपी राकेश व खुशबु ने गालीगालीच व वाद विवाद करते हुए लाठी से शुभम पर वार कर उसे जखमी कर दिया।

से कन्फर्म आरक्षण वाले पात्र यात्री इस सुविधा का लाभ ले सकेंगे। पांच वर्ष से कम आयु के बिना पर्थ या सीट के यात्रा करने वाले बच्चे इस बीमा कवर में शामिल नहीं होंगे। रेलवे के अनुसार, बीमा पॉलिसी के सभी लाभ संबंधित बीमा कंपनी की शर्तों और अपवर्जनों के अधीन होंगे। बीमा दावों के निपटारे की जिम्मेदारी संबंधित बीमा कंपनी की होगी, रेलवे या IRCTC की नहीं।

नागपुर मंडल के आरक्षण काउंटरों पर इस सुविधा के सुचारु संचालन के लिए संबंधित पर्यवेक्षकों एवं काउंटर कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए जाएंगे। रेलवे ने यात्रियों से अपील की है कि बीमा लेने से पहले पॉलिसी की शर्तों को अच्छी तरह समझ लें।

कट मारने के विवाद में दो पक्ष भिड़े, लाठी चली



सड़क हादसे में युवक की मौत

अपराध संवाददाता गोंदिया। तिरोंड़ा तहसील के ग्राम विहिरिया निवासी २६ वर्षीय युवक कुंवर प्रमोद मिश्रा यह गत २२ अक्टू. के देर रात सड़क हादसे का शिकार हो गया। उसे गंभीर जखमी अवस्था में गोंदिया के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां इलाज के दौरान युवक की मौत हो गई। अस्पताल द्वारा जारी मेमो के आधार पर तिरोंड़ा पुलिस ने धारा १९४ के तहत मर्ग दर्ज किया है।

खड़े मालवाहक से भिड़ी बाइक

गोंदिया। सड़क पर लापरवाहीपूर्वक खड़े किए गए मालवाहक से बाइक टकरा गई। घटना २२ अक्टू. के शाम ७ बजे के लगभग तिरोंड़ा तहसील के ग्राम मुंडीकोटा के पास घटित हुई। फियांदी दिलीप माधोरावजी हजारे (५७) यह बाइक पर सवार होकर जा रहे थे, इस दौरान मुंडीकोटा रोड पर बिना इंडिकेटर दशाए खड़े किए गए टाटा एस मालवाहक से बाइक टकरा गई। आरोपी मालवाहक चालक द्वारा लापरवाहीपूर्वक रात के अंधेरे में वाहन खड़ा करने से उक्त हादसा घटित हुआ जिससे दिलीप हजारे के सिर पर गंभीर चोट आने से वे जखमी हो गए। इस संदर्भ में फियांदी चंद्रशेखर माधोरावजी हजारे (४४ निवासी आमगांव) की रिपोर्ट पर तिरोंड़ा पुलिस ने आरोपी चालक के खिलाफ अ.क्र. १0७0/२६ की धारा २८१, १२५ (अ) के तहत अपराध दर्ज किया है।

अपराध संवाददाता गोंदिया। बाइक की कट मारने की बात से शुरू हुआ विवाद पुराने झगड़े तक जा पहुंचा और देखते ही देखते दोनों पक्षों में मारपीट हो गई। इस मामले में दोनों पक्षों की ओर से सालेकसा थाने में शिकायत दर्ज करायी गई है। प्राप्त जानकारीनुसार सालेकसा तहसील के ग्राम झालिया निवासी राकेश नवगण्डे यह २६ अक्टूबर की शाम गांव के चौक पर खड़ा था इस दौरान आरोपी शुभम लोकचंद दमाहे (२४) ने स्कूटी से कट लगने की बात पर विवाद खड़ा किया और कॉलर पकड़कर मारपीट करने लगा। इसकी जानकारी मिलने पर राकेश की पत्नी चांदनी (२२) झगड़ा छुड़ाने पहुंची तो आरोपी के हाथ में मौजूद लाठी महिला के हाथ पर लगी जिससे चुड़िया भी टूट गई और हाथ में चोट भी आयी। घटना के संदर्भ में जखमी चांदनी नवगण्डे ने सालेकसा थाने में शिकायत दर्ज करायी जिसके अपाार पर पुलिस ने आरोपी शुभम के खिलाफ अ.क्र.५३२/२६ की धारा ११८ (१), ३५२ के तहत अपराध दर्ज किया है। इसी प्रकरण में शुभम दमाहे की रिपोर्ट पर सालेकसा पुलिस ने आरोपी राकेश ओमप्रकाश नवगण्डे (२७) तथा खुशबु (१९) के खिलाफ अ.क्र. ५३३/२६ की धारा ११८ (१), ३५२ के तहत अपराध दर्ज किया है। रिपोर्ट के मुताबिक फियांदी भोजन करने के बाद मोहल्ले में टहल रहा था तभी आरोपी राकेश ने अपनी स्कूटी से कट मारी इसपर फियांदी ने उसे हड़काया लेकिन आरोपी राकेश व खुशबु ने गालीगालीच व वाद विवाद करते हुए लाठी से शुभम पर वार कर उसे जखमी कर दिया।

रिश्वतखोरों के खिलाफ आवाज उठाएं, भ्रष्टाचार को जड़ से मिटाएं! एसीबी ने सरकारी दफ्तरों में लगाए जागरूकता पोस्टर



नगर संवाददाता गोंदिया। भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने और रिश्तखोरी के खिलाफ नागरिकों को जागरूक करने के उद्देश्य से भ्रष्टाचार प्रतिबंधक विभाग (एसीबी), गोंदिया की ओर से दक्षता जनजागृति सप्ताह के तहत बुधवार को विशेष अभियान चलाया गया।

इस दौरान आमगांव, सालेकसा और तिरोंड़ा तहसीलों के विभिन्न सरकारी कार्यालयों में भ्रष्टाचार विरोधी जागरूकता पोस्टर लगाए गए। वहीं, रावणवाड़ी-कामठा के साप्ताहिक बाजार में नागरिकों और व्यापारियों को पर्चे वितरित कर रिश्तखोरी के खिलाफ जागरूक किया गया।

अभियान के दौरान नागरिकों को भ्रष्टाचार के दुष्परिणामों की जानकारी देते हुए बताया गया कि रिश्त देना और लेना, दोनों कानूनन अपराध हैं। सरकारी कामकाज के दौरान यदि कोई अधिकारी या कर्मचारी निर्धारित कानूनी शुल्क के अतिरिक्त रिश्त की मांग करता है, तो नागरिक बिना किसी

परिवार सोता रहा और हो गई चोरी..

गोंदिया। घर के लोग सामने वाले हॉल में सो रहे थे और इसी दौरान अज्ञात चोर ने पीछे के दरवाजे से प्रवेश कर लाखों रुपये के माल पर हाथ साफ कर दिया। रावणवाड़ी थाना क्षेत्र के कोरनी गांव में हुई २.८२ लाख की चोरी की घटना से खलबली मच गई है। प्राप्त जानकारी अनुसार, फियांदी दामोदर शैलेंद्रकुमार तुरकर (३९) के परिवार के सदस्य घर के सामने वाले हॉल में सो रहे थे। इसी दौरान अज्ञात चोर घर के पीछे के दरवाजे से दाखिल हुए। चोरों ने लॉकर में रखे करीब ३५ ग्राम पुराने सोने के आभूषण (कीमत १ लाख ७५ हजार) और १ लाख ७ हजार रु नकद चुरा लिए। इस प्रकार कुल २ लाख ८२ का माल अज्ञात चोर २६ अक्टू. के रात ९ बजे से २७ अक्टू. के सुबह दरमियान चुरा ले गए। इस मामले में रावणवाड़ी थाने में अज्ञात के खिलाफ अ.क्र. ५६३/२६ की धारा ३0५ (अ) के तहत मामला दर्ज कराया गया है। आगे की जांच सहायक पुलिस निरीक्षक राठौड़ कर रहे हैं।

फोटो दूसरे की, हस्ताक्षर फर्जी और कर दी जमीन की रजिस्ट्री! बुर्जुग की जमीन बेच डाली

अपराध संवाददाता गोंदिया। दस्तावेज फर्जी, फोटो दूजे की, हस्ताक्षर बोगस और फिर रचा गया लाखों की जमीन बेचने का खेल.. ७३ वर्षीय बुजुर्ग की जमीन हड़पने के इस मामले में अब गोंदिया शहर थाने में ५ आरोपियों के खिलाफ जुर्म दर्ज किया गया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, फियांदी पंचमलाल धनलाल दमाहे (७३, निवासी साईनगर, गोंदियपुर, गोंदिया) इनकी ग्राम एकोडी स्थित गट क्रमांक २२७ में 0.२४ आर जमीन में से गोंदिया-तिरोड़ा मार्ग की दक्षिण दिशा में स्थित ५२२ वर्ग मीटर का प्लॉट है। आरोपियों ने आपसी मिलीभगत कर जमीन के बंटवारे का फर्जी दस्तावेज तैयार किया। इस दस्तावेज में फियांदी की जगह किसी अन्य अज्ञात व्यक्ति की फोटो चिपकाई गई और उनके नाम से फर्जी हस्ताक्षर किए गए। साथ ही, दस्तावेज में गवाह भी नहीं लिए गए। इतना ही नहीं दस्तावेज के फर्जी होने की जानकारी होने के बावजूद उसे एकोडी के तलाठी कार्यालय में प्रस्तुत किया गया। इसके आधार पर जमीन का फेरफार क्रमांक १७४८ कराया गया। बाद में फियांदी की जमीन अन्य व्यक्तियों को बेचकर उसकी रजिस्ट्री भी कर दी गई। यह फर्जीवाड़े का खेल १७ मार्च २0२५ को शहर के दुर्गा चौक स्थित एक कार्यालय में रचा गया। इस मामले में अब फियांदी की शिकायत पर गोंदिया शहर पुलिस ने २६ अक्टूबर को आरोपी मनोहर जैपाल बिसेन (६0, निवासी गोंदियपुर रोड, गोंदिया), पुरुषोत्तम टीकाराम कोल्हे (४६, निवासी भरतवाड़ा रोड, ओमनगर, पारडी, नागपुर), शैलेश गुलाब राहागडाले (४४, निवासी हरदोली, त. तुमसर, जि. भंडारा), योगराज जीवनलाल चौधरी (४२, निवासी कोचवानी) तथा खटवानी (४२, निवासी गोंदिया) के खिलाफ अ.क्र. ९४२/२0२६ की धारा ३१८(४), ३३६(२), ३३६(३), ३३८ और ३३९ के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया है। आगे की जांच सहायक पुलिस निरीक्षक संजय तुपे कर रहे हैं।

२.७८ लाख बच्चों को मिला कृमिनाशक सुरक्षा कवच

९२.७७ प्रतिशत लक्ष्य हासिल

नगर संवाददाता गोंदिया। बच्चों को कुपोषण और एनीमिया से बचाने के उद्देश्य से जिले में राष्ट्रीय कृमिनाशक अभियान चलाया गया। जिले के आठों तहसीलों में कुल ३ लाख २५१ पात्र बच्चों में से २ लाख ७८ हजार ५५६ बच्चों को कृमिनाशक गोली दी गई। इस तरह जिले में ९२.७७ प्रतिशत बच्चों तक अभियान का लाभ पहुंचा है, यह जानकारी जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अभिजीत गोल्हार ने दी। बच्चों के शारीरिक और बौद्धिक विकास में पेट के कीड़े बाधा बनते हैं। इनके कारण बच्चों में कुपोषण, खून की कमी और लगातार थकान जैसी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। इन समस्याओं से बचाव के लिए स्वास्थ्य विभाग की ओर से जिलेभर में राष्ट्रीय कृमिनाशक अभियान चलाया गया। सालेकसा तहसील सबसे आगे अभियान के तहत जिले की सभी आठ तहसीलों में बच्चों को कृमिनाशक दवा देने का कार्य किया गया।



तहसीलवार आंकड़ों के अनुसार, सालेकसा तहसील ९६.१९ प्रतिशत उपलब्धि के साथ जिले में सबसे आगे रही। यहां २२,0३५ में से २१,१९६ बच्चों को दवा दी गई। वहीं सड़क अर्जुनी में २५,८0४ में से २४,६४४ बच्चों (९५.५0%) और अर्जुनी मोरगांव में ३४,८५४ में से ३३,0१६ (९४.७३%) बच्चों को दवा दी गई। गोंदिया तहसील में ९२,६१३ में से ८५ हजार ८४८ बच्चों को कृमिनाशक गोली दी गई, जिसका प्रतिशत ९२.७0 है। देवरी में ३२५0१ में से ३0१५९

(९२.७९%), आमगांव में २९,२७७ में से २६,0८७ (८९.१0%), गोरगांव में २६,९८१ में से २४६८२ (९१.४८%) तथा तिरोंड़ा में ३६,१८६ में से ३२,९२५ बच्चों को दवा दी गई जिसका प्रतिशत ९0.८८ है। राष्ट्रीय कृमिनाशक दिवस के अवसर पर २७ अक्टूबर को जिले के स्कूलों, आंगनवाड़ी केंद्रों और महाविद्यालयों में बच्चों तथा किशोरों को अल्वेंडाजोल की गोлияं नि:शुल्क वितरित की गईं।

महिलाओं की सक्रिय भागीदारी से मजबूत होगा संगठन- जैन

नगर संवाददाता गोंदिया। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी को मजबूत बनाने और संगठन में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी बढ़ाने के उद्देश्य से राष्ट्रवादी कांग्रेस भवन, रेलटोली कार्यालय में जिला महिला राष्ट्रवादी कांग्रेस की जिला कार्यकारिणी विस्तार बैठक आयोजित की गई। बैठक में सांसद राजेंद्र जैन, जिलाध्यक्ष प्रेमकुमार राहागडाले तथा नवनियुक्त महिला जिलाध्यक्षा रजनीताई गिरिपुंजे प्रमुख रूप से उपस्थित थीं। इस अवसर पर नवनियुक्त जिलाध्यक्षा का अभिनंदन कर महिला संगठन की आगामी कार्ययोजना को लेकर पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने उन्हें शुभकामनाएं दीं। बैठक को संबोधित करते हुए



सांसद राजेंद्र जैन ने कहा कि पार्टी संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत बनाने के लिए महिलाओं की भागीदारी बढ़ाना बेहद जरूरी है। इसके लिए अधिक से अधिक महिलाओं से संवाद स्थापित करना, पार्टी में उनकी सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने, बूथ कमेटीयों में उत्साही महिला कार्यकर्ताओं को शामिल करने तथा पार्टी की विचारधारा को घर-

घर तक पहुंचाने को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि सांसद प्रफुल पटेल के नेतृत्व में पार्टी के सभी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उसकी विचारधारा और नीतियों पर विश्वास रखते हुए एकजुट होकर कार्य कर रहे हैं। महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण, स्वावलंबन, आत्मनिर्भरता और सामाजिक सशक्तिकरण के लिए महायुति

सरकार ने अनेक योजनाएं घोषित की हैं। महिला पदाधिकारियों से इन विकासोन्मुखी नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने और संगठन को अधिक मजबूत बनाने के लिए निरंतर प्रयास करने का आह्वान किया। बैठक में केतन तुरकर, माधुरी नासरे, डॉ. अविनाश काशिवार, डॉ.यू. राहागडाले, यशवंत गणवीर, सुनील पटले, मंजुषा बारसागड़े, सुधाभाई राहागडाले, अश्विनीताई पटले, प्रियाताई हरिनखेड़े, निर्मला मिश्रा, ममता बैस, कीर्ति पटले, सरला निखलौंदे, विशाखा टेम्भुरी, कविता राहागडाले, दीपा काशिवार, धनिया कटरे, पुष्पमाला बडोले, पुष्पलता द्वाकर, ज्योत्सना शहारे और सीमा शेंडे सहित बड़ी संख्या में महिला पदाधिकारी उपस्थित थीं।

‘दिव्या’ को नागपुर रेल मंडल में मिली बड़ी जिम्मेदारी

८ साल के जमीनी अनुभव का इनाम, DRUCC सदस्य नियुक्त

नगर संवाददाता गोंदिया। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के नागपुर मंडल अंतर्गत गठित ‘मंडल रेल उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति’ (DRUCC) में श्रीमती दिव्या भगत-पारधी को आधिकारिक सदस्य नियुक्त किया गया है। रेल मंत्रालय के नियमों व विशेष कोटे के तहत वरिष्ठ जनप्रतिनिधियों की अनुशंसा पर रेलवे प्रशासन ने यह अधिसूचना जारी की। उनका कार्यक्षेत्र किसी एक स्टेशन तक सीमित न रहकर पूरे नागपुर रेल मंडल के सभी स्टेशनों और प्रशासनिक प्रभागों में लागू होगा। दिव्या भगत-पारधी के पास



स्टेशन सलाहकार समिति और नगर समिति के माध्यम से यात्री हितों व नागरिक सुविधाओं के लिए ८ वर्षों तक जमीनी स्तर पर कार्य करने का लंबा अनुभव है। उनकी इस नियुक्ति पर जिले के जनप्रतिनिधियों, व्यापारिक संगठनों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने हर्ष जताते हुए उम्मीद व्यक्त की है कि इससे क्षेत्रीय रेल विकास को नई गति मिलेगी।

संपादकीय

प्रदूषण के खिलाफ लड़ाई

सर्दियों की आहट के साथ ही उत्तर भारत के क्षितिज पर छाने वाली गहरी धुंध और धुएं की परत अब महज एक मौसमी घटनाक्रम तक सीमित नहीं नहीं रह गया, बल्कि यह करोड़ों नागरिकों के लिए एक गंभीर और जानलेवा जन-स्वास्थ्य आपातकाल बन चुका है। अक्टूबर से फरवरी के बीच दिल्ली-एनसीआर में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआइ) अक्सर ४०० से ४५० के खतरनाक स्तर को पार कर जाता है। जैसे ही राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में वायु गुणवत्ता सूचकांक 'खराब' या 'गंभीर' श्रेणी में प्रवेश करता है, प्रशासनिक तंत्र में अचानक अप्रत्याशित गहमा-गहमी दिखाई देने लगती है। आनन-फानन में ग्रेडेड रिसर्पांस एक्शन प्लान यानी ग्रेप के विभिन्न प्रविधानों को लागू कर दिया जाता है। निर्माण कार्यों पर पाबंदी, निर्माण स्थलों पर एंटी-स्माग गन की तैनाती, डीजल जेनरेटरों के इस्तेमाल पर रोक और सड़कों पर पानी के छिड़काव जैसे उपाय कागजों और मीडिया की सुखियों में तैरने लगते हैं। जबकि वायुमंडलीय विज्ञान और भूगोल के मौलिक नियमों की दृष्टि से देखें, तो यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या केवल एक महानगर या कुछ चुनिंदा जिलों की सीमाओं में सिमटी दंडात्मक और तात्कालिक कार्रवाइयां इस विकलरात वायुमंडलीय संकट का वास्तविक और स्थायी समाधान दे सकती हैं? हवा, गैसों और सूक्ष्म कणों (पीएम २.५ और पीएम १०) की कोई प्रशासनिक, राजनीतिक या भौगोलिक सीमा नहीं होती। उत्तर भारत के अनेक क्षेत्रों के आसमान में तेरने वाला जहर केवल वहां के स्थानीय वाहनों के धुएं या औद्योगिक चिमनियाँ का परिणाम नहीं है, बल्कि यह पूरे वृहद इंडो-गंगा मैदानी इलाकों के संयुक्त उत्सर्जन और वायुमंडलीय गतिशास्त्र से निर्धारित होता है। ऐसे में किसी एक शहर द्वारा अलग-थलग होकर उठाए गए एकांगी कदम इस बड़े संकट के सामने वैसे ही निष्प्रभावी साबित होते हैं, जैसे उफनती नदी के मुहाने पर पत्तों का बांध बनाना। हालिया वायु गुणवत्ता आंकड़ों का सूक्ष्म वैज्ञानिक विश्लेषण इस भ्रांति को पूरी तरह से तोड़ देता है कि प्रदूषण केवल दिल्ली-एनसीआर की विशिष्ट समस्या है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के वायु गुणवत्ता दिशानिर्देशों के अनुसार, पीएम २.५ का वार्षिक औसत स्तर पांच माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर से अधिक नहीं होना चाहिए, जबकि उत्तर भारत के मैदानी क्षेत्रों में यह स्तर अक्सर ८० से १०० माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर तक दर्ज किया जाता है। दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों की सूची में अब अकेले दिल्ली का नाम दर्ज नहीं है, बल्कि गंगा के मैदानी भूभाग में बसे तमाम शहर इस विषैले चक्रव्यूह में फंसे हुए हैं। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर, मुजफ्फरनगर, हापुड़ से लेकर हरियाणा के रोहतक, हिसार और राजस्थान के औद्योगिक शहर कोटा तक की वायु गुणवत्ता लगातार 'बेहद खराब' और 'अत्यंत गंभीर' स्तर पर बनी हुई है। उत्तर भारत का एक क्षेत्र भौगोलिक रूप से एक विशाल प्राकृतिक कटौरे के समान है। सर्दियों के आगमन के साथ जब तापमान में गिरावट आती है, तो हवा का घनत्व बढ़ जाता है और उसकी गति मंद पड़ जाती है। वैज्ञानिक भाषा में इसे थर्मल इन्वर्जन या वायुमंडलीय व्युत्क्रमण कहते हैं, जिसमें गर्म हवा की ऊपरी परत ठंडी और भारी हवा को नीचे धरातल के पास ही दबाकर रख लेती है। इस प्राकृतिक जाल में जब उद्योगों, वाहनों, धूल और पराली का धुआं आकर मिलता है, तो यह संपूर्ण बेल्ट एक विशालकाय गैस चैबर का रूप धारण कर लेती है। जब संकट का क्षेत्र संपूर्ण उत्तर भारत है, तो इसका समाधान किसी एक नगर निगम या राज्य सरकार के अधिकार क्षेत्र में हो ही नहीं सकता। इसके लिए संपूर्ण एयरशेड पर आधारित एक एकीकृत और समेकित क्षेत्रीय रणनीति की आवश्यकता है। वार्षिक वायुमंडलीय संकट का एक प्रमुख और विवादास्पद जैविक कारक कृषि अवशेषों यानी पराली का दहन है। पराली दहन से होने वाला उत्सर्जन उत्तर-पश्चिमी हवाओं की सवारी करता हुआ पूरे उत्तर भारत के आसमान को अपने आगोश में ले लेता है। चूंकि पराली संकट कृषि अर्थशास्त्र, ऊर्जा नीति और राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा से जुड़ा एक बहुआयामी मुद्दा है, इसलिए इसमें केंद्र सरकार का सीधा, आर्थिक और नीतिगत हस्तक्षेप अनिवार्य है। इसके लिए फसल विविधीकरण से लेकर उचित प्रौद्योगिकियों के लिए भारी सब्सिडी और बायो-मेथेनेशन प्लांट्स जैसा स्थायी बुनियादी ढांचा समय की आवश्यकता है, लेकिन यह भी ध्यान रहे कि प्रदूषण में केवल पराली का योगदान नहीं है। प्रदूषण की समस्या से ग्रस्त दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, पंजाब और राजस्थान की सरकारों के बीच आवश्यक तालमेल का अभाव भी स्थितियों को बिगाड़ता है।

लायंस क्लब ने कुमार ग्रुप की खो-खो चामूला किट को प्रायोजित

गोंदिया में आयोजित कुमार ग्रुप विदर्भ राज्य खो-खो



संवाददाता
नागपुर। नागपुर ऑरेंज सिटी के लायंस क्लब ने चैंपियनशिप में भाग लेने वाली नागपुर जिला जूनियर लड़कों और लड़कियों की टीमों के लिए किट प्रायोजित की।

महिला महाविद्यालय, नंदनवन में आयोजित छोटे से कार्यक्रम में लायंस क्लब ऑफ

शिक्षक निर्वाचन में किरण सरनाईक की लगातार दूसरी जीत

१६,६६३ मत पाकर बने विधान परिषद सदस्य ; कांग्रेस की अदिति पोहरे दूसरे स्थान पर

संवाददाता
यवतमाल। अमरावती संभाग शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से महायुति के उम्मीदवार किरण सरनाईक ने लगातार दूसरी बार जीत दर्ज की है। ३० घंटे से अधिक समय तक चली मतगणना के बाद उन्हें विजयी घोषित किया गया। सरनाईक को कुल १६,६६३ मत मिले, जबकि कांग्रेस उम्मीदवार अदिति ऋषिकेश पोहरे को ८,६३६ मत प्राप्त हुए। अमरावती के लोकशाही भवन में मंगलवार, २७ अक्टूबर को सुबह ८ बजे मतगणना शुरू हुई थी। बुधवार शाम ५ बजे

प्रक्रिया पूरी होने के बाद निर्वाचन अधिकारी ने सरनाईक को जीत का प्रमाणपत्र प्रदान किया। उनकी जीत की घोषणा होते ही समर्थकों ने गुलाल लगाकर जश्न मनाया और उन्हें कंधों पर उठाकर खुशी जाहिर की। प्रथम पसंद के मतों की गिनती तीन दौर में हुई। तीनों दौर में सरनाईक ने बढ़त बनाए रखी। उन्हें प्रथम पसंद के ८,१६२ मत मिले, जबकि अदिति पोहरे को ४,६८८ और निर्दलीय उम्मीदवार श्रीकांत देशपांडे को ४,६६८ मत प्राप्त हुए। देशपांडे अंतिम परिणाम में तीसरे स्थान पर रहे।

अन्य प्रमुख उम्मीदवारों में सुरेश देवकर को ३,२३६, दिलीप कडू को २,६७४, नत्थराम लहाने को २,१५५, नितीन देशमुख को १,९६४ और शिवराज डुड्डे को १,८०० मत मिले। चंद्रशेखर भोयर को १,३७५, डॉ. प्रशांत विघे को १,२६७ तथा डॉ. अविनाश चोथे को १,०२६ मत प्राप्त हुए दुसरे पसंद के वोटो में सरनाईक ने अपना कोटा पूर्ण कर लिया। उनकी लगातार दूसरी जीत से उनके समर्थकों में उत्साह देखा गया। वहीं, कांग्रेस उम्मीदवार अदिति पोहरे को हार का सामना करना पड़ा।

कराले बने किंगमेकर बोले, तेरी जीत से ज्यादा मेरे हार के चर्चे

नागपुर। 'मास्टर से रीलस्टार' बने नितेश कराले ने नागपुर संभाग स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के चुनाव में कांग्रेस और भाजपा का गणित बिगाड़ दिया। २६,००० से अधिक मत हासिल कर उन्होंने दोनों प्रमुख दलों के उम्मीदवारों की धड़कनें बढ़ा दीं और चुनाव में 'किंगमेकर' बनकर उभरे। किसी राजनीतिक दल के समर्थन और आर्थिक मदद के बिना उन्हें युवा, विद्यार्थी, स्नातक और आम मतदाताओं का समर्थन मिला। सोशल मीडिया पर लोकप्रियता, आक्रामक शैली और युवाओं से जुड़ाव ने कराले की उम्मीदवारी को चर्चा में रखा। उनके मतों के दूसरी पसंद के वोटों ने भी नतीजे को प्रभावित किया। दिल्ली के जंतर-मंतर और मुंबई के आंदोलनों में भागीदारी के बाद वे युवाओं के बीच और चर्चित हुए। उनके प्रदर्शन ने पारंपरिक राजनीतिक दलों को नए मतदाताओं की ताकत का एहसास कराया। मतगणना के दौरान कराले का एक बयान भी चर्चा में रहा 'तुम्हारी जीत से ज्यादा हमारी हार की चर्चा है।' उनके मतों के दूसरी पसंद के वोटों से जीत का रास्ता तय होने की संभावना ने चुनावी समीकरणों को नया मोड़ दिया।

दोहरे हत्याकांड में और ५ आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता
यवतमाल। उमरसा स्थित शासकीय छात्रावास परिसर में पुराने विवाद के चलते दो गुटों में हुए झगड़े में हुए दोहरे हत्याकांड मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है।

इस हत्या के मामले में आठ आरोपियों को पहले ही हिरासत में लिया गया था, वहीं दूसरी हत्या के मामले में पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपियों मे दर्शन ढोरे (२९), गौरव श्रेडकर (२३), विशाल तरे (२९), उमेर शेख रफीक शेख (१८) और विक्रम इंटलकर (३९) का समावेश है। इन सभी को अभय उर्फ बित्तम पाथोडे की हत्या के मामले में गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस के अनुसार मृतक गजानन जाधव और

मैदानों से कचरा हटाएं महिला वनरक्षक एसीबी के जाल में



युवा सेना ने सौंपा निवेदन

संवाददाता
नागपुर। शिवसेना उद्धव बालासाहेब ठाकरे युवा सेना नागपुर लोकसभा द्वारा बच्चों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ रोकने संबंधी निवेदन दिया। अगर ७ दिन के अंदर अगर कचरा याई नहीं हटाया गया तो युवा सेना अपने अंदाज में आंदोलन करेगी। अधिकारी ने आश्वस्त

किया की जल्द से जल्द कचरा हटाया जाएगा। निवेदन देते समय बाबा लारोकर, विस्तारक छोटू राजूत, बादल पसेरकर, नागपुर शहर प्रमुख विनोद कल्याणी, ऋषि आनंद, अजय सोनटक्के, यश कटारे, प्रकाश मदनंे, शुभम अरखेल, सुभाष मारकंडे, निखिल समुंद्रे, योगेश नाईक उपस्थित थे।

आईसीआईसीआई गोल्ड लोन घोटाले में १ और बंदी



नकली सोने के जेवरों को बताया था असली

नागपुर। आईसीआईसीआई बैंक की गोल्ड लोन प्रक्रिया में फर्जीबाद कर नकली कर्जदारों के नाम पर करोड़ों रुपए का कर्ज मंजूर कराने और नकली सोने के जेवरों को असली बताकर बैंक को २३.१९ करोड़ रुपये का चूना लगाने वाले गिरोह के १ सदस्य को आर्थिक अपराध अन्वेषण शाखा (ईओडब्ल्यू) की टीम ने गिरफ्तार किया। पकड़ा गया आरोपी तेलंगछेड़ी, रामनगर निवासी प्रफुल अशोक चौधरी (३९) बताया गया। इस प्रकरण में धंतोली थाने में ३० मार्च २०२६ को मामला दर्ज किया गया था। ऑडिट के दौरान एक खाते में गिरवी रखे गए सोने के जेवरों की शुद्धता को

लेकर ऑडिटर को संदेह हुआ। मामला गंभीर लगने पर विभिन्न शाखाओं के गोल्ड लोन खातों का भी ऑडिट कराया गया। जांच में मनीषनगर, मेडिकल चौक, नरसाला, काटोल रोड, अजनी चौक, छत्रपति चौक, वर्धा रोड, प्रतापनगर और नंदनवन शाखाओं के गोल्ड लोन खातों की जांच की गई।

खातों में ट्रांसफर की गई रकम

पुलिस ने प्रत्येक खाते में यह पता लगाया कि कर्ज किसके नाम पर मंजूर हुआ, गिरवी के रूप में क्या दिखाया गया, कर्ज की रकम किस खाते में गई और बाद में वह रकम किन खातों में ट्रांसफर की गई। जांच में पुलिस ने कर्ज की रकम के पूरे मनी ट्रेल को खंगाला। आरोपियों के टिकानों पर तलाशी के दौरान मोबाइल फोन, लैपटॉप, वाहनों के अलावा बैंक लेन-देन से जुड़े महत्वपूर्ण दस्तावेज जब्त किए गए। जांच टीम को फर्जी गोल्ड लोन ग्राहकों की सूची भी मिली जिसने पूरे नेटवर्क की कड़ियां जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस मामले में ९ आरोपियों की गिरफ्तारी पहले ही हो चुकी है लेकिन प्रफुल फरार था। बुधवार को पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया। न्यायालय ने उसे ३० अक्टूबर तक पुलिस हिरासत में रखने के आदेश दिए हैं।

अतिक्रमण : दस्ते ने सामान भी किया जब्त

सड़क और फुटपथ पर अवैध रूप से बनाए गए ३ शेडों के निर्माण को तोड़ा गया। इसके साथ ही दोनों तरफ मौजूर अवैध दुकानों और टेलों को हटाय़ा गया। क्षेत्र से मनपा की टीम ने लगभग २ ट्रक सामान जब्त किया, जिसमें ७ टेले, लोहे के शेड तथा अन्य सामग्री शामिल हैं।

बड़ी क्षेत्र में प्रवर्तन विभाग के दस्तों ने संयुक्त रूप से मोर्चा संभाला। कार्रवाई

अवैध रेत भंडारण पर हाईकोर्ट सरख्त

जिलाधिकारी को ८ हफ्ते का अल्टीमेटम



संवाददाता
यवतमाल। जिले में अवैध रेत भंडारण के मामले में दायर याचिका पर मुंबई उच्च न्यायालय की नागपुर खंडपीठ ने महत्वपूर्ण आदेश दिया है। अदालत ने जिलाधिकारी यवतमाल को ८ सप्ताह के भीतर कार्रवाई कर याचिकाकर्ता को जानकारी देने का आदेश दिया है।

जानकारी के अनुसार आर्णी तहसील के जलान्द्री और झरी जामणी तहसील के सतपट्टी में क्रमशः २० हजार ब्रास और १० हजार ब्रास अवैध रेत भंडारण की गंभीर शिकायत रजनीकांत बोरेले ने की थी। इस मामले में उन्होंने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, मुख्य सचिव, राजस्व सचिव, राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले और यवतमाल के जिलाधिकारी विकास मीना के पास कई बार सबूतों के साथ शिकायत की थी।

शिकायत पर कोई कार्रवाई न होने के बाद रजनीकांत बोरेले ने उच्च न्यायालय खंडपीठ नागपुर में याचिका दायर की थी। याचिका पर सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति अनिल एस. किलोर और न्यायमूर्ति रजनीश आर. व्यास ने आदेश दिया कि याचिकाकर्ता प्रतिवादी क्र. ४ जिलाधिकारी यवतमाल के पास एक सप्ताह के भीतर अपना निवेदन सादर करें। निवेदन की प्रति मिलने के बाद जिलाधिकारी को ८ सप्ताह के भीतर उस पर निर्णय लेना होगा और निर्णय की तारीख से एक सप्ताह के भीतर याचिकाकर्ता को निर्णय से अवगत कराना होगा। यह जानकारी रजनीकांत बोरेले ने पत्रकार परिषद में दी। उन्होंने कहा कि उन्होंने आदेश की प्रति जिलाधिकारी को सौंप दी है और अब प्रशासन की कार्रवाई का उन्हें इंतजार है।

रिश्वत लेना पड़ा भारी

संवाददाता
यवतमाल। किसान दंपति से एक हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए एक महिला वनरक्षक को एसीबी के दल ने रंगोहाथ पकड़ लिया। यह कार्रवाई एसीबी पथक ने बुधवार, २८ अक्टूबर को दोपहर बजे के करीब १बजे वनपरिक्षेत्र कार्यालय में की। आरोपी महिला वनरक्षक का नाम कल्पना रुपसिंह राठोड (३०) बताया गया है।

जानकारी के अनुसार शिकायतकर्ता किसान की फसल का वन्य प्राणियों द्वारा नुकसान हुआ था। नुकसान भरपाई के लिए उसने हिवरी वन परिक्षेत्र कार्यालय में स्वयं के और पत्नी के नाम से दो आवेदन दाखिल किए थे। इन आवेदनों को मंजूर करने के लिए महिला वनरक्षक ने प्रति आवेदन ५०० रुपये के हिसाब से कुल १००० रुपये की रिश्वत की मांग की थी। रिश्वत से परेशान किसान ने इसकी शिकायत एंटी कर्षणन ब्यूरो से की। शिकायत मिलते ही एसीबी ने जांच कर बुधवार को वनपरिक्षेत्र कार्यालय में जाल बिछाया।



जैसे ही महिला वनरक्षक ने १००० रुपये की रिश्वत स्वीकार की, एसीबी की टीम ने उसे रंगोहाथ पकड़ लिया और रिश्वत की रकम जब्त कर ली।

इस मामले में घांटंजी ग्रामीण पुलिस थाने में मामला दर्ज किया गया है। साथ ही वनरक्षक के आवास की तलाशी लेने की कार्रवाई भी शुरू कर दी गई है। यह कार्रवाई पुलिस उपाधीक्षक अभय अर्से के मार्गदर्शन में पुलिस निरीक्षक मनोज आरसे, स्वप्निल निराले, जयंत आभावंकर, अतुल माने, अब्दुल वसीम, सुधीर कावले, आकाश सहारे, भगवान पाटील, मनिषा ठाकुरकर, सरिता राउते, अतुल नागमते की टीम ने की।

खटेश्वर देवस्थान से ६ लाख की चांदी चोरी

चोर सीसीटीवी में कैद

संवाददाता
यवतमाल। कलंब तहसील स्थित तीर्थक्षेत्र संत सच्चिदानंद खटेश्वर महाराज समाधि मंदिर से करीब ६ लाख रुपये की चांदी अज्ञात चोरों ने चोरी कर ली। यह घटना मंगलवार की मध्यरात्रि में हुई। चोरी की पूरी वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई है। घटना के बाद यवतमाल ग्रामीण पुलिस ने जोडमोहा में मामला दर्ज किया है।

जानकारी के अनुसार चोरों ने मंदिर के दरवाजे का कुंडा तोड़कर अंदर प्रवेश किया। संत खटेश्वर महाराज के अधिक किलो वजन का चांदी का सिंहासन, पादुका सहित करीब २ किलो ५०० ग्राम वजनी चांदी का कीमती सामान चुरा लिया।

सुबह पुजारी को घटना का

पता चला तो उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही यवतमाल ग्रामीण के ठाणेदार प्रवीण माजकर, जमादार सचिन इंगोले, फॉरेन्सिक एक्सपर्ट टीम के धानोरकर, मुंगले, आतिशा चव्हाण, एलसीबी के एपीआय राजमुले, पुलिस पाटिल विलास भगत मौके पर पहुंचे।

पुलिस ने घटनास्थल का पंचनामा किया। विशेष बात यह है

थी उसे निकालने संचालक २९ अक्टूबर को दामपेटी खोलने वाले थे। इससे पहले ही चोरों ने वारदात को अंजाम दिया। ग्रामीणों में इस घटना से रोष है। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जांच शुरू कर दी है और जल्द ही आरोपियों को पकड़ने का दावा

किया है।

एक शाम शरद पूर्णिमा के नाम उत्साह से संपन्न

संवाददाता
नागपुर। श्री दिगांबर जैन युवक मंडल (सैतवाल) एवं महिला शाखा की ओर से श्री सैतवाल जैन संगठन मंडल, महावीर नगर, ग्रेट नाग रोड, नागपुर में कोजागिरी महोत्सव २०२६ का भव्य आयोजन उत्साह एवं हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। शरद पूर्णिमा की सुहानी चाँदनी रात में आयोजित इस संगीतमय महफिल में सदाबहार फिल्मी गीतों की मधुर प्रस्तुतियों ने उपस्थित श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। गीत-संगीत, आनंद और उत्साह से सराबोर इस आयोजन ने सभी को पुरानी यादों के सुनहरे दौर में पहुंचा दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। कार्यक्रम के



प्रयोजक श्री जय जी मानेकर एवं सौ. श्यामल ताई जय मानेकर सहित प्रमुख अतिथियों का पुष्पगुच्छ भेंट कर

विह्व प्रदान कर सत्कार किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रसिद्ध आर्किटेक्ट एवं मोटिवेटर श्री संजय नखाते ने की। मंच पर अखिल दिगांबर जैन सैतवाल संस्था के राष्ट्रीय महामंत्री श्री नितिन नखाते, पुलक मंच परिवार के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री मनोज बंड, सामाजिक कार्यकर्ता श्री सुभाष कुकेकर, श्री सैतवाल जैन संगठन मंडल के सचिव श्री प्रकाश मारवड़कर, श्री पार्श्व दिगांबर जैन सैतवाल मंदिर, इतवारी के अध्यक्ष दिलीप राखे, पूर्व अध्यक्ष दिलीप शिवायकर, श्री अरविंद हनुवंते तथा श्री दिगांबर जैन युवक मंडल (सैतवाल) के अध्यक्ष प्रशांत भुसारी प्रमुखता से उपस्थित रहे। कार्यक्रम के संयोजक राजेश

जैन एवं प्रमोद भागवतकर थे। कार्यक्रम का संचालन श्री राजेश जैन ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन संध्या काले ने किया। कार्यक्रम के निवेदन एवं गीतों का संचालन प्रकाश वाकेकर ने अपने प्रभावशा-ली, मनोरंजक एवं आकर्षक अंदाज में किया। उनकी प्रस्तुति ने संगीतमय महफिल में विशेष रंग भर दिया। इस अवसर पर प्रकाश वाकेकर, प्रकाश भुसारी, आदेश जैन बैरैया, डॉ. अंजुषा पांडवकर, प्रवीण पांडवकर, राजेंद्र जैन, सुरभी उबाले, सुयोग जैन, प्रशांत पांडवकर एवं सौ. सुवर्णा सावलकर ने एक से बढ़कर एक सदाबहार फिल्मी गीतों की शानदार प्रस्तुतियां दीं। मधुर सुरों और लोकप्रिय गीतों ने उपस्थित

पहचान पत्र जमा करके ड्राइविंग लाइसेंस पाएं
नागपुर। जिन ड्राइविंग लाइसेंस होल्डर्स का ड्राइविंग लाइसेंस उनके पते पर डिलीवर नहीं हुआ है, वे पोस्ट से रीजनल ट्रांसपोर्ट ऑफिस वापस आ गए हैं। ऐसे सभी संबंधित लाइसेंस होल्डर्स को अपना ड्राइविंग लाइसेंस पाने के लिए रीजनल ट्रांसपोर्ट ऑफिसर, नागपुर (रूरल) को आधार कार्ड, पैन कार्ड, बिजली बिल, बैंक पासबुक जैसे दो ओरिजिनल पहचान पत्र जमा करने होंगे। फोटोकॉपी: बताए गए पहचान पत्रों की सेल्फ-अटेस्टेड फोटोकॉपी एप्लीकेशन के साथ अटैच करनी होंगी। साथ ही, पोस्ट से लौटाए गए लाइसेंस फीस देने के बाद बांट दिए जाएंगे। कोई भी क्लेम नहीं करेगा, २०२५ से पहले के ऐसे ड्राइविंग लाइसेंस खत्म कर दिए जाएंगे। इसलिए, सभी संबंधित गाड़ी होल्डर्स अपने लाइसेंस का ध्यान रखें, नागपुर रूरल रीजनल ट्रांसपोर्ट ऑफिसर विजय चव्हाण ने बताया है।

हिंदी विवि में अंतर-विद्यापीठ क्रिकेट टूर्नामेंट

भाषा विद्यापीठ बना चैंपियन, फाइनल में शिक्षा विद्यापीठ को ११४ रनों से हराया

संवाददाता
वर्धा। महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में २१ से २६ अक्टूबर तक आयोजित १०-ओवर के अंतर-विद्यापीठ क्रिकेट टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला एक्टरफा अंदाज में भाषा विद्यापीठ समूह ए के नाम रहा। फाइनल में भाषा विद्यापीठ ने शिक्षा विद्यापीठ को ११४ रनों के विशाल अंतर से करारी शिकस्त देकर खिताबी ट्रॉफी अपने नाम की। पूरे टूर्नामेंट में भाषा विद्यापीठ के सौरभ यादव और गेंदबाज रवि पांडे का दबदबा देखने को मिला। २१ से २४ अक्टूबर तक खेले गए लीग मुकाबलों में दोनों समूहों के बीच कड़ा मुकाबला देखा गया। विधि विद्यापीठ समूह ए ने ३ में से २ जीत और ४ अंकों के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया। वहीं, शिक्षा विद्यापीठ समूह बी भी २ जीत और ४ अंकों के साथ सेमीफाइनल में जगह बनाने में सफल रही। साहित्य विद्यापीठ और भाषा विद्यापीठ १-१ जीत के साथ टूर्नामेंट से बाहर हो गईं। शिक्षा विद्यापीठ समूह ए ने अपने तीनों मुकाबले जीतकर ६ अंकों के साथ तालिका में पहला स्थान प्राप्त किया। भाषा विद्यापीठ समूह ए २ जीत और ४ अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहते हुए नॉकआउट में पहुंची। मानविकी और विधि विद्यापीठ समूह बी लीग स्टेज से आगे नहीं बढ़ सकी। २५ अक्टूबर को खेले गए सेमीफाइनल मुकाबलों में भाषा और शिक्षा विद्यापीठ की

फाइनलिस्ट टीमों ने धमाकेदार जीत दर्ज की। २६ अक्टूबर को खेले गए फाइनल मुकाबले में भाषा विद्यापीठ समूह ए के सलामी बल्लेबाज सौरभ यादव ने ऐतिहासिक पारी खेली। सौरभ यादव ने महज २९ गेंदों पर नाबाद ११० रन की तूफानी शतकीय पारी खेली, जिसकी बदौलत टीम ने निर्धारित १० ओवर में १४७/६ का मजबूत स्कोर बनाया। १४८ रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी शिक्षा विद्यापीठ की बल्लेबाजी पूरी तरह बिखर गई। भाषा विद्यापीठ के स्टार गेंदबाज रवि पांडे ने घातक गेंदबाजी करते हुए मात्र ९ रन देकर ५ विकेट चटकाए। आयुष पांडे ने ३ और शिवम भारद्वाज ने २ विकेट लेकर पूरी विपक्षी टीम को ६.१ ओवर में महज ३३ रनों पर समेट दिया। भाषा विद्यापीठ समूह ए ने ११४ रनों से खिताबी जीत दर्ज की और सौरभ यादव को 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' तथा 'बैट्समैन ऑफ द टूर्नामेंट' चुना गया, साथ ही रवि पाण्डेय को 'बॉलर ऑफ द टूर्नामेंट' चुना गया। छह दिनों तक चले इस टूर्नामेंट में बल्लेबाजों और गेंदबाजों दोनों का शानदार प्रदर्शन रहा।

सेवाधारियों का सेवाकार्य सर्वोपरि : प्रकाश तोतवानी

सिंध माता मंडल का स्नेह मिलन कार्यक्रम

संवाददाता
नागपुर। सिंध माता मंडल, खामला की ओर से मंडल महासचिव व पूर्व नगरसेवक प्रकाश तोतवानी के संयोजन में सेवाधारियों के स्नेह मिलन कार्यक्रम का आयोजन आमराई परिसर स्थित मंदिर परिसर में किया गया। कार्यक्रम में प्रमुखता से मंडल अध्यक्ष नारायण भोजवानी, न्यू पूज्य सिंधी पंचायत के अध्यक्ष परमानंद शंभुवानी, ओमप्रकाश वरदानी, राजू गंगवानी, सुरेंद्र भेंडे, ईश्वर भोसकर व नवरात्र महोत्सव में झांकियों, यात्रा को साकार करने वाले सुदीप्तो सरकार, नरेंद्र खवले प्रमुखता से मौजूद थे। इस अवसर पर प्रकाश तोतवानी ने

सेवाधारियों की सेवा को सर्वोपरि बताते हुए यहाँ आनेवाले लाखों भक्तों को कहा कि सेवाधारियों की सेवा से ही नवरात्र सफलतापूर्वक यात्रा के आनंद की महोत्सव सुचारू रूप से चलने के साथ, अनुभूति होती है। तोतवानी ने कहा कि सेवा

महिला चौकीदार व पुलिस से अभद्रता

नशे में धुत व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज
संवाददाता
काटोल। शराब पीकर महिला चौकीदार के साथ अभद्र व्यवहार करने, भद्दी-भद्दी गालियां देकर जान से मारने की धमकी देने और मौके पर पहुंचे पुलिसकर्मीयों के साथ दुर्व्यवहार कर वर्दी उतारने को कहने के आरोप में काटोल पुलिस ने संबंधित व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया है। प्रांत जानकारी के अनुसार २६ अक्टूबर को जब वर्षा राजेश वडनेवार (उम्र ४५, निवासी गलपुरा, काटोल) अनुसया माता मंदिर के मुख्य द्वार पर ड्यूटी पर थी, तभी जयशिल ईश्वर खंडाडत (उम्र ४५, निवासी पारडसिंगा) मोपेड पर वहां आये. उन्होंने गेट खोलने को कहा. हालांकि, गाड़ी पार्क करने के लिए कहने पर वह नाराज हो गए। महिला ने पुलिस से शिकायत की कि उसने महिला का हाथ पकड़ लिया और उसके साथ दुर्व्यवहार किया और उसे दोबारा

आज होगी सामूहिक अरदास व महाप्रसाद मानवता के मसीहा थे संत कंवरराम : परमानंद प्यासी

संवाददाता
नागपुर। अमर शहीद संत कंवरराम साहिब वर्सी महोत्सव के अंतर्गत जारी भक्तिमय कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में भक्तगण अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहे हैं। गुजरात के मशहूर कलाकार परमानंद प्यासी ने कहा कि संत कंवरराम एक महान संत थे, जिन्हें मधुर आवाज में भजनों के लिए जाना जाता था । वे लोरी सुना कर भगवान की भक्ति करते थे। तथा उस से जो भी मिलता वो गरीबों में बांट देते थे। वे त्याग व तपस्या की प्रतिमूर्ति थे। दीन दुखियों तथा अपाहिजों की सेवा करना उनका मुख्य कार्य था। वे जात-पात पर विश्वास नहीं करते थे, इसलिए उनकी याद में देश-

विदेश में आज भी उनकी वर्सी पूरे श्रद्धा व भक्ति भाव के साथ मनाई जाती है। महोत्सव के संयोजक अशोक कुमार कुकरेजा ने बताया कि गुरुवार २९ अक्टूबर को विश्व में सुख शांति के लिए अरदास की जाएगी तथा उसके पश्चात महाप्रसाद का आयोजन किया गया है। जरूरतमंदों को अन्न व वस्त्रों का वितरण किया जाएगा। कार्यक्रम के सफलतार्थ बलदेव केवलरामानी, विक्रम कुकरेजा, राजेश माखीजानी राम देवानी, किशन साधवानी, गोपीचंद कुकरेजा, चौधेय माखीजानी, चंदर लालवानी, विजय विधानी, तोताराम साधवानी, सुरेश लालवानी, गोविंद कुकरेजा अपना योगदान दे रहे हैं।

अनवी जवंजाल स्टेट लेवल स्विमिंग कॉम्पिटिशन के लिए चुनी गई

संवाददाता
वर्धा। नगर परिषद जलतरंग तालाब, वर्धा में हुए स्विमिंग कॉम्पिटिशन में, गांधी सिटी पब्लिक स्कूल, वर्धा की होनहार स्टूडेंट अनवी जवंजाल ने ५० मीटर और १०० मीटर ब्रेस्टस्ट्रोक कैटेगरी में दूसरा स्थान (सिल्वर मेडल) जीता। अपने शानदार परफॉर्मेंस के दम पर, अनवी ने डिजिटल लेवल कॉम्पिटिशन में भी सफलता हासिल की है और पुणे में होने वाले स्टेट लेवल कॉम्पिटिशन में अपनी जगह पक्की कर ली है। उनकी इस शानदार सफलता से स्कूल का नाम रोशन हुआ है। स्कूल परिवार ने अनवी की कड़ी मेहनत, लगन और खेल के प्रति लगन की तारीफ की और स्टेट लेवल कॉम्पिटिशन के लिए उन्हें शुभकामनाएं दीं। स्कूल को पूरा भरोसा है कि अनवी स्टेट लेवल पर भी अच्छा प्रदर्शन करेगी और स्कूल और वर्धा जिले का नाम रोशन करेगी।

निधन
मीनादेवी जेसवानी

नागपुर। गली नं. १, दयानंदनगर, जरीपटका निवासी श्रीमती मीनादेवी अंजयकुमार जेसवानी का निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार आज गुरुवार २९ अक्टूबर को शाम ५ बजे सिंधुनगर नारा घाट पर किया जाएगा।

शब्दवर्गपहेली क्र.- 3934

1	2	3	4		5	6	7		8		9		10	11		12		13		14
15					16				17	18			19							
			20						21				22			23	24			
25	26				27		28			29	30		31		32		33			
34				35			36						37					38		
		39	40			41			42		43				44		45			
	46		47		48			49		50		51		52				53		
54		55					56			57							58		59	
60				61		62			63							64				
		65	66		67		68			69			70					71		
	72			73		74		75		76						78	79			
80		81			82	83		84	85				86	87					88	
89				90				91			92							93	94	
			95				96			97			98	99					100	
101						102						103						104		
105					106							107			108			109		

बायें से दायें :- 1) घमंड 5) झूठ बोलना या बकवास करना अर्थात्वाला एक मुहावरा 9) रामविलास....., हमारे एक भूतपूर्व केन्द्रीय रेलमंत्री का कुलनाम 12) जिसे किसी बंद स्थान में किसी के निगरानी में रखा गया हो 15) सजीव, शक्तिशाली 16) नखरा, सौंदर्य, दर्शन 17) बिजली 19) प्राचीन काल के निषध देश के राजा नल की पत्नी का नाम 20) न्हास, गिरने की प्रक्रिया 21) वायु, हवा 22) नाव चलानेवाला 23) पुराने जमाने की फिल्मों के एक जानेमाने हास्य अभिनेता 25) बिना प्रयास के या बिना श्रम के 27) लगातार (भारना आदि) 29) सरिता 31) सामान या व्यक्तियों को ले जानेवाला यान 33) श्रीकृष्णद्वारा गोपियों के साथ की गयी लीला का नाम 34) आवाज, शब्द 35) अंतःकरण, दिल 36) ठंड में ओढ़ी जानेवाली रुई भरी चादर 37) सोद में बिचौलिया का काम करनेवाला 39) सुअर 41) घर 44) शादी के बारातियों के उहरने का स्थान 47) भारी 49) समर्थन, रवीकृती 54) एक महीन

कपड़ा 56) डर, आशंका 57) कृतघ्न, अहसान न माननेवाला (उर्दू) 59) रशिया का संक्षिप्त रूप 60) गंध 61) हाथ के बल लेटने की मुद्रा 63) बीमारी 64) खालीपन, रिक्तता 65) घनवान 67) अनुकरण करना 70) शत्रुघ्न सिन्हा के 'कालीचरण' फिल्म की हीरोईन 71) बहस 73) किसी के सामने या समक्ष होने का भाव, मुकाबला 75) रिशता 76) प्राचीन काल के चार आश्रमों से एक 78) गरमी, जलन, ताप 80) छाया, बिंब 82) बुढ़ापा, थोड़ासा 84) कल्याण, शुभ 89) रसदार, रसयुक्त 90) सेविका, दासी 91) खेल (अंग्रेजी) 92) अन्न देनेवाला, प्रतिपालक 93) कौचड़ में खिलनेवाला एक फूल 95) बराबर, तुल्य 96) मृतदेह, शव 97) अनथक, बिना थके हुये 98) अट्टहास, जोर से हंसना 100) एक विदेशी मद्य 101) मल्ल, कुश्ती लड़नेवाला 102) निश्चित करना 103) विष्णु का एक नाम 104) अशिष्टतापूर्ण 105) खाली,, रिक्त 106) सूर्य 107) जीभ 108) बड़ी नाली 109) जर्मनी का निवासी (अपभ्रंश रूप)

ऊपर से नीचे :- 1) बकरी 2) मक्खियों का आवाज करना 3) स्त्री जाति का प्राणी 4) पुराने अभिनेता सुनील दत्त का अभिनेत्री पत्नी का नाम 5) गणेशजी 6) पीछे मुड़ना 7) खोवा 8) नासमझी, मूर्खता 9) जल, नीर 10) बहस, चर्चा 11) कृतज्ञ, स्वामीनिष्ठ 12) परिणाम 13) अंतःपुर 14) रामायण में सीता के ससुर 18) भेट, संयोग, मिलाप 21) अपरिचित 24) दीप दान, आरती 25) अस्थायी, नश्वर 26) यदु के वंशज, यदु-संबंधी 28) मारे मारे फिरना अर्थात्वाला एक मुहावरा 30) रंक, गरीब 32) घरों में पानी प्राप्त करने का साधन 35) केवल, निरा 38) किस तरह का 40) राजपूतों की एक जाति या कुलनाम 41) हमेशा, सदैव 42) पुरानी फिल्म 'आशिकी' या 'गजब तमासा' की हीरोईन 43) दुर्घटना 45) बायां 46) संधी,, समझौता 48) अस्वीकार, अमान्य 50) भ्रान्ती,, लोभ 51) पति की बहन 52) अनुबंध पत्र 53) बड़ा तकिया 54) माता का अपनी सत्तान पर स्नेह, अपनापन, ममत्व 55) बारह राशियों में एक 58) मुसलमानों का धर्मशास्त्र 59) सुन्दरता, उत्तम रूप 61) सौगंध, शपथ 62) जंगल 63) प्रतिबंध, मनाई 66) ईसा बताये गये धर्म पर चलनेवाला, ईसा का अनुयायी 68) हमारी गानसम्राज्ञी 69) खमीरी रोटी,, चपाती 72) 74) सुकुमारी 77) खुश करना 79) तमगा 80) लेकिन 81) चमड़े के ऊपर की झिल्ली का उभड़ आना, फफोला 83) शासन 85) दुःख, शोक 86) जानकारी मालूम करना 87) दानादाना 88) कलम रखने का पात्र 90) धनुष्य 92) प्रारंभ (संस्कृत) , 'इति' का विरुद्धार्थी शब्द 94) मृतक (उर्दू) 95) प्रश्न 96) योग्य 97) आतिशबाजी की एक चीज, एक फल 99) आक्रमण 101) हुर, बालकथाओं में वर्णित पंखवाली सुन्दर स्त्री 102) देह, शरीर 104) छोटी गुठलीवाला एक खट्टा मिठा फल (जवाब अगले अंक में)

पिछले अंक के शब्दवर्गपहेली का जवाब																				
उ	प	का	र			आ	का	श		अ	ज	न	बी		भ	अ		ख्या	व	
र	ह	न	स	ह	न		त	ह	स	न	ह	स		सु	र	सं	ग	म	र	
	ना		खा	रि	ज	क	र	ना		जा	र		अ	मि	त		र	न	वा	स
श	वा	स	न		रा	म		ई	रा	न		सु	मा	त्रा		प	त	वा	र	
री		त्य		मु	ना	सि	व		क्ष		क	त्य		न	ह	ला	ना		र	
क	ब		ज	ल		न	र	गि	स		रा	गा		ह	ट	ना		वी	न	
	गै	र	वा	जि	ब		बा	ल		ना	ची	ज		र	ख	ना		ज	न	नी
ती	र		ह	म		ब	द	ह	ज	मी		गि	र	गि	ट		र	मा	गं	
रं		जो	र		दि	ल		री	त		प	र	वा	ज		रं	ग		आ	धा
दा	स		ला	ल		वा	सु		ला	श		ना	न		ल	क	ड़	हा	रा	
ज		बे	ल	गा	म		अ	प	ना	प	न		गी	द	ड़		ना		धा	न
	घी		ने		जा	न	व	र		थ	म	ना		ल	क	वा		अ	ना	र
ब		स	ह	ग	ल		स	दा		स्का		अ	ना	प	श	ना	प		मा	
द		ज	रु	र		सू	र	न		प	र	दा	दा		न		स	रा	ह	ना
दु	ख	ना		ज	मा	ना		शी	त	ल		मा	ल		स	म	ध	न		
आ	रा		गु	ना	ह		हु	न	र		ब	द	त	मी	ज		झ	न	दी	

anumeya-08446302691

टी२० सीरीज: न्यूजीलैंड को झटका!

तेज गेंदबाज लोकी फर्ग्युसन अंतिम २ मुकाबलों से हुए बाहर

ऑकलैंड। भारत के खिलाफ टी२० सीरीज में न्यूजीलैंड को बड़ा झटका लगा है। तेज गेंदबाज लोकी फर्ग्यूसन पिंडली की चोट के कारण आखिरी दो टी२० अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों से बाहर हो गए हैं। उन्हें पांच मैचों की सीरीज के दूसरे मुकाबले के दौरान चोट लगी थी। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने फर्ग्यूसन की जगह मैट फिशर को टीम में शामिल किया है। भारत सीरीज में ३-० की अजेय बढ़त बना चुका है। चौथा टी२० मुकाबला शुक्रवार को ऑकलैंड में खेला जाना है।

न्यूजीलैंड क्रिकेट ने गुरुवार को बताया कि फर्ग्यूसन को हेपले ओवल में खेले गए दूसरे टी२० के दौरान दाहिनी पिंडली में दर्द महसूस हुआ था। इसके बाद कराए गए स्कैन में हल्का मांसपेशियों का खिंचाव सामने आया। उन्हें वापसी के लिए लगभग एक सप्ताह और आराम की जरूरत होगी। न्यूजीलैंड के मुख्य कोच रॉब वाल्टर ने कहा, 'लोकी और मैट के चोटिल होने से हम निराश हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में चोटें खेल का हिस्सा हैं, लेकिन



जब आपको मुकाबलों से बाहर होना पड़ता है तो निराशा होती ही है।' वाल्टर ने उम्मीद जताई कि दोनों गेंदबाज चार नवंबर से भारत के खिलाफ शुरू होने वाली वनडे सीरीज में खेल सकेंगे। न्यूजीलैंड के एक और तेज

गेंदबाज मैट हेनरी भी टी२० सीरीज से बाहर हैं। दूसरे मुकाबले के दौरान उनकी दाहिनी जांच की मांसपेशियों में दर्द हुआ था। स्कैन में उन्हें भी हल्का खिंचाव होने की पुष्टि हुई है। उनके ठीक होने में एक से दो सप्ताह लग

सकते हैं। न्यूजीलैंड क्रिकेट के मुताबिक, हेनरी को पहले से तय कार्यक्रम प्रबंधन के तहत वनडे सीरीज के लिए टीम में लौटना था। चोट के बावजूद वह वनडे सीरीज के लिए तय कार्यक्रम के अनुसार वापसी की राह पर हैं। वाल्टर ने कहा, 'मैट को बाकी टी२० मुकाबलों से पहले ही आराम दिया जाना था, ताकि वह गर्मियों के व्यस्त कार्यक्रम के लिए तैयार रह सकें। हमें उम्मीद है कि वह वनडे सीरीज में अहम भूमिका निभाएंगे।'

टी२० टीम में गेंदबाजी कवर के तौर पर वेलिंगटन पहुंचे मैट फिशर अब सीरीज के बाकी मुकाबलों में फर्ग्यूसन की जगह लेंगे। उनकी जगह न्यूजीलैंड ए टीम में तेज गेंदबाज ब्रेट रैंडेल को शामिल किया गया है, जो भारत ए के खिलाफ दूसरे मैच में खेलेंगे। वहीं, काइल जेमीसन तय कार्यक्रम प्रबंधन के तहत वेलिंगटन में ही रहेंगे और शनिवार को कैंटरबरी के लिए फोर्ड ट्रॉफी का मुकाबला खेल सकते हैं। इसके बाद वह सोमवार को न्यूजीलैंड की टीम से जुड़ेंगे। वाल्टर ने कहा कि फर्ग्यूसन ईडन पार्क में घरेलू दर्शकों के सामने खेलने को लेकर उत्साहित थे, लेकिन अब उनका ध्यान वनडे सीरीज तक फिट होने पर है।

टी२० के बाद वनडे में भारत का क्लीन स्वीप

आखिरी मैच में जिम्बाब्वे को आठ विकेट से हराया, प्रतिका-वैष्णवी चमकीं



वडोदरा। भारतीय महिला टीम ने जिम्बाब्वे के खिलाफ तीसरे और आखिरी वनडे मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करते हुए ८ विकेट से जीत दर्ज की। वडोदरा के बीसीए स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में भारत ने जिम्बाब्वे को १३१ रनों पर समेटने के बाद १३२ रनों का लक्ष्य महज १७ ओवर में २ विकेट खोकर हासिल कर लिया। इस जीत के साथ ही भारतीय टीम ने तीन मैचों की वनडे सीरीज ३-० से अपने नाम कर ली। इससे पहले भारत ने टी२० सीरीज में भी जिम्बाब्वे का ३-० से सुपड़ा साफ किया था। १३२ रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत खराब रही। यास्तिका भाटिया पहली ही गेंद पर बिना खाता खोले आउट हो गईं। इसके बाद हरलीन देओल और प्रतिका रावल ने पारी को संभालते हुए दूसरे विकेट के लिए ५९ रन जोड़े। हरलीन १९ रन बनाकर पवेलियन लौट गईं।

इसके बाद प्रतिका रावल को शेफाली वर्मा का साथ मिला। दोनों बल्लेबाजों ने आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए जिम्बाब्वे के गेंदबाजों को कोई मौका नहीं दिया। प्रतिका और शेफाली के बीच तीसरे

विकेट के लिए महज ५० गेंदों में ७४ रनों की नाबाद साझेदारी हुई, जिसकी बदौलत भारत ने मुकाबला आसानी से जीत लिया।

प्रतिका रावल ने ५६ गेंदों में नाबाद ५९ रन बनाए। उनकी पारी में चार चौके और तीन छक्के शामिल रहे। वहीं, शेफाली वर्मा ने महज २६ गेंदों में ५१ रन ठोक दिए। उन्होंने अपनी विस्फोटक पारी में छह चौके और तीन छक्के लगाए। शेफाली की ताबड़तोड़ बल्लेबाजी ने मुकाबले को पूरी तरह एकतरफा बना दिया।

वैष्णवी शर्मा ने झटके पांच विकेट इससे पहले टॉस के बाद बल्लेबाजी करने उतरी जिम्बाब्वे की टीम भारतीय गेंदबाजों के सामने संघर्ष करती नजर आई। टीम की शुरुआत बेहद खराब रही और लोरिन फिरी बिना खाता खोले आउट हो गईं। चिपो मुगेरी-तिरिपानो भी सिर्फ चार रन बनाकर पवेलियन लौट गईं। इसके बाद बिलव्ड बीजा को वैष्णवी शर्मा ने हरमनप्रीत कौर के हाथों कैच करवाकर एक रन के निजी स्कोर पर आउट किया। महज २५ रन के स्कोर पर जिम्बाब्वे की टीम अपने तीन विकेट गंवा चुकी थी।

मुश्किल परिस्थिति में कप्तान

जोसेफिन नकोमो और चिएइज़ा धुरुुरु ने पारी को संभालने की कोशिश की। दोनों ने चौथे विकेट के लिए ४० गेंदों में २७ रन जोड़े। धुरुुरु २० रन बनाकर वैष्णवी शर्मा का शिकार बनीं। कप्तान नकोमो ने ६७ गेंदों में ३५ रन बनाए, जिसमें चार चौके शामिल रहे। नकोमो के आउट होने के बाद जिम्बाब्वे की पारी लड़खड़ा गई और टीम नियमित अंतराल पर विकेट गंवाती रही।

भारत की ओर से २० वर्षीय स्पिनर वैष्णवी शर्मा सबसे सफल गेंदबाज रहीं। उन्होंने १० ओवर में ३९ रन देकर ५ विकेट अपने नाम किए। उनकी शानदार गेंदबाजी ने जिम्बाब्वे की बल्लेबाजी की कमर तोड़ दी। क्रांति गोड़ ने सात ओवर में २३ रन देकर दो विकेट हासिल किए, जबकि सायली सतघरे ने किफायती गेंदबाजी करते हुए छह ओवर में महज ११ रन खर्च किए और दो विकेट चटकाए।

भारत ने दोनों सीरीज में किया क्लीन स्वीप जिम्बाब्वे के खिलाफ इस जीत के साथ भारतीय महिला टीम ने वनडे सीरीज ३-० से जीतकर क्लीन स्वीप पूरा किया। इससे पहले भारतीय टीम ने टी२० सीरीज में भी ३-० से जीत दर्ज की थी। इस तरह भारतीय महिला टीम ने दोनों प्रारूपों में दमदार प्रदर्शन करते हुए जिम्बाब्वे के दौरे का शानदार अंत किया।

खेल जगत में त्योहार की धूम

नई दिल्ली। आज पूरे देश में करवाचौथ का त्योहार मनाया जाएगा। बॉलीवुड से लेकर खेल जगत तक, कई सितारों के लिए यह त्योहार खास रहने वाला है। खास तौर पर उन खिलाड़ियों की पत्नियों के लिए, जिनकी शादी इस साल हुई है। भारतीय क्रिकेट के कई चर्चित चेहरों ने साल २०२६ में अपनी जिंदगी की नई पारी शुरू की। १. अर्जुन तेंदुलकर और सानिया चंदोक क्रिकेट के भगवान कहे जाने वाले सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन तेंदुलकर ने ५ मार्च २०२६ को सानिया चंडोक के साथ सात फेरे लिए थे। मुंबई में आयोजित इस शादी में क्रिकेट, मनोरंजन और कारोबारी जगत की कई जानी-मानी हस्तियां शामिल हुई थीं। अर्जुन और सानिया की शादी काफी चर्चा में रही थी। अब शादी के करीब आठ महीने बाद करवाचौथ का त्योहार उनके लिए खास हो सकता है। अगर सानिया इस पारंपरिक त्योहार को मनाती हैं, तो यह शादी के बाद उनका पहला करवाचौथ होगा।

आईसीआईसीआई लाइफ गारंटीशुदा इंडेक्सड पेंशन प्लान हुआ लॉन्च

की संभावना का लाभ उठा सकते हैं। आईसीआईसीआई लाइफ इश्योरेंस के मुख्य उत्पाद अधिकारी, श्री विकास गुप्ता ने इस लॉन्च के संबंध में अपनी टिप्पणी में कहा, लोगों की जीवन प्रत्याशा बढ़ रही है, ऐसे में उन्हें लंबी सेवानिवृत्ति अवधि के लिए योजना बनाने की ज़रूरत है। बढ़ते खर्चों और बदलती वित्तीय प्राथमिकताओं को देखते हुए, ऐसे सेवानिवृत्ति समाधान होना बहुत जरूरी है जो स्थिरता भी प्रदान करें और साथ ही बाज़ार से जुड़ी आय में वृद्धि की संभावना भी प्रदान करें। ‘आईसीआईसीआई लाइफ गारंटीड इंडेक्सड पेंशन’ के साथ, ग्राहक अपनी सुविधा के अनुसार गारंटीशुदा आय का स्तर चुन सकते हैं और साथ ही बाज़ार से प्रदर्शन से लाभ उठाने का अवसर भी हासिल कर सकते हैं।



अटकलें थीं कि गुजरात में उनकी वापसी कप्तानी की शर्त के कारण नहीं हो सकी। हालांकि, अधिन का कहना है कि अब हार्दिक के लिए अगली फ्रेंचाइजी में कप्तानी अनिवार्य शर्त नहीं है। अपने यूट्यूब चैनल पर अधिन ने कहा कि केकेआर हार्दिक के लिए आदर्श टीम हो सकती है। उन्होंने संभावित ट्रेड के विकल्प भी सुझाए। अधिन के मुताबिक, केकेआर हार्दिक के बदले वरुण चक्रवर्ती, हर्षित राणा या रिकू सिंह जैसे खिलाड़ियों पर विचार कर सकती है। हालांकि, उन्होंने कहा कि अभिषेक नायर के केकेआर में रहते हुए वरुण को ट्रेड करना मुश्किल लग सकता है।

कार्यालय गट ग्राम पंचायत नवेगाव (साधू) पंचायत समिती उमरेड जिल्हा परिषद नागपूर					
जाहीरनामा					
जा.क्र. /जाहीरनामा/ग्रा.पं.					
नवेगाव(साधू) दिनांक:- २८.१०.२०२६					
गट ग्रामपंचायत नवेगाव (साधू) कडून सूचित करण्यात येते कि, मासिक सभा दिनांक २८.१०.२०२६ ठराव क्र.६ नुसार खालीलप्रमाणे वर्णानुसार मालमत्ता ग्रा. पं. नोंदणी फेरफार बदल अर्ज प्राप्त झाल्यानुसार					
अ. क्र.	अर्जदाराचे नाव	मालमत्ता वर्णन	सव्हें क्र.	मालमत्ता क्र.	क्षेत्रफळ
१	वामन लोकनाथ जगताप	महाजन नगरी	२०३/१/२	१०८	१४१.७७ चौ.मी.
२	याकुब खान अय्युब खान	महाजन नगरी	२०३/१/२	४२	१५७.६२ चौ.मी.
३	निखिल पुंडलिक लहामगे व ईतर	महाजन नगरी	२०३/१/२	९१	१०६.६१ चौ.मी.
४	रविन्द्र खुटुडी तिघरे व ईतर	आस्था सिटी	१८९/१	१२६	८४.०० चौ मी.
५	सचिन हागरू साखरकर	ओंकार नगर	७९	२६	१५०.०० चौ. मी.
६	दीपक लक्ष्मण उके	लीना ले आउट	१९९/२००	३०	१५३.०० चौ.मी.
७	राहुल वासुदेव रघुते	बाळकृष्ण नगर	२१२/१	१३९	१६०.०० चौ.मी.
८	देवराव हरबाजी फुलझेले	लिना लेआउट	१९९/२००	४१	७६.५० चौ.मी.
९	शोभा वसंतराव चिंदमवार	लिना लेआउट	१९९/२००	५१	३२०.०० चौ.मी.
१०	महादेव नामाजी कुंभारे	अथर्व नगर	२०३/२	१९	१३९.२५ चौ.मी.
११	नंदकिशोर लक्ष्मणराव चाचरकर	गंगा नागरी	२०७/३	१०७	५०.०० चौ.मी.
१२	वासुदेव दिगांबर सिर्सिकर	गंगा नगरी	२०७/३	१०७	६४.१० चौ.मी.
१३	अरविंद लक्ष्मणराव चाचरकर	गंगा नगरी	२०७/३	१०८	६०.०० चौ.मी.
१४	रोशन ज्ञानेश्वर शहाणे	साई नगर	२१६/१/२/३/४	१४४	१५०.०० चौ.मी.
१५	मनीष प्रभाकर जाधव	नारायण सिटी	२१०/१/२/३/४	१८२	१५०.०० चौ. मी.
१६	दिलीप सकरू शिवरकर व ईतर	बालाजी टाऊन	८२	३	८९.२० चौ.मी.
१७	चंद्रशेखर गोविंदराव कुंभारे	सुमन राहटे लेआउट	२१९/३	४२	१८३.७५ चौ.मी.
१८	मिलिंद पारसनाथ येसनकर	ओंकार नगर	७९	५२	१५०.०० चौ.मी.
१९	मिलिंद पारसनाथ येसनकर	बाळकृष्ण नगर	२१२/१	१४०	१६०.०० चौ.मी.
२०	स्वाती ज्ञानेश्वर चौधरी	स्व.मुळे लेआउट	५३/५५/५६/१	१५३	४५.६८ चौ.मी.
२१	सर्मिला बीबी शेख नौसाद	राधा नगरी	५३/२	२८	१४९.५८ चौ.मी.
२२	प्रविण विनायक माळवे	शिवकाशीपूरम	५९/१/२/३	३१	१५०.४० चौ.मी.
२३	मानोज अरुणजी टाले	वैष्णोपार्क	५८/१	३२	७५.९९ चौ.मी.
२४	किसन बाजीराव वानखेडे	वैष्णोपार्क	५८/१	३२	७६.०० चौ.मी.
२५	अनंता विनायक येवले	वैष्णोपार्क	५८/१	१२	१५०.७२ चौ.मी.
२६	चंद्रभान आनंदराव लेंडे	संजय मोहोड लेआउट	२१३	१०७	९३.०० चौ.मी.
२७	मुकेश आनंदरावजी लेंडे	संजय मोहोड लेआउट	२१३	१०६	९३.०० चौ.मी.
२८	रामेश्वर गणपतजी मोहिते	संजय मोहोड लेआउट	२१३	३६	९३०० चौ.मी.
२९	ललित भगवान कावळे	संजय मोहोड लेआउट	--	१२५	९२.९० चौ.मी.
३०	शेषराव श्रावण किरमरे	नवेगाव (साधू)	--	११३	४५.८९ चौ.मी.
३१	चंदा अनिल राउत	माता नगरी	२०७/१	३९	८८.०० चौ.मी.
३२	अरविंद दयाराम डांगाले	माता नगरी	२०७/१	८	१२०.०० चौ.मी.
३३	मनोहर दादाजी चंदनखेडे	माता नगरी	२०७/१	२५	८८.०० चौ.मी.
३४	शामू गोविंदा ठाकरे	माता नगरी	२०७/१	२८	१०२.३० चौ.मी.
३५	प्रतिक अशोक भिवापूरकर	माता नगरी	२०७/१	२३	८८.०० चौ.मी.

करिता कोणत्याही प्रकारचे उजर / आक्षेप / तक्रार हरकती सादर करावयाचे जाहीरनामा प्रसिद्ध झाल्याच्या तारखेपासून ७ दिवसाचे आत उजर / आक्षेप / तक्रार या कार्यालयास सादर करावे. मुदत बाध प्राप्त झालेले उजर / आक्षेप / तक्रार विचारात घेतल्या जाणार नाही याची नोंद घ्यावी.

प्रशासक
गट ग्रामपंचायत नवेगाव (साधू)
पं. स.उमरेड, जि.प. नागपूर,

'ग्रामपंचायत अधिकारी
गट ग्रामपंचायत नवेगाव (साधू)
पं. स. उमरेड, जि. प. नागपूर

मेसी पर भारी पड़े रोनाल्डो!



लंदन। फुटबॉल की दुनिया में क्रिस्टियानो रोनाल्डो और लियोनल मेसी के बीच सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी की बहस लंबे समय से जारी है। अब फैंस की वोटिंग में रोनाल्डो ने मेसी को पीछे छोड़ते हुए बैलोन डी'ओर ऑफ ऑल टाइम का खिताब अपने नाम कर लिया है। इस वोटिंग में पुर्तगाल के दिग्गज खिलाड़ी के २००८ के सीजन को बैलोन डी'ओर के इतिहास में किसी विजेता का सर्वश्रेष्ठ व्यक्तिगत सीजन चुना गया। वहीं, मेसी का २०१२ का ऐतिहासिक सीजन दूसरे स्थान पर रहा।

बैलोन डी'ओर संगठन ने २०२६ के गोल्डन बॉल पुरस्कार के नतीजे सामने आने के कुछ दिन बाद इस वोटिंग के परिणाम जारी किए। इंग्लैंड और बायर्न म्यूनिख के स्ट्राइकर हैरी केन ने २०२६ का गोल्डन बॉल पुरस्कार जीता था। हालांकि, बी.ओ.ए.टी का फैसला फैंस की वोटिंग के आधार पर हुआ। रोनाल्डो ने मैनचेस्टर यूनाइटेड के साथ २००७-०८ के सीजन में शानदार प्रदर्शन किया था। उनके दमदार खेल की बदौलत क्लब ने प्रीमियर लीग और यूईएफए चैंपियंस लीग का खिताब जीता। रोनाल्डो ने सभी प्रतियोगिताओं में कुल ४२ गोल किए और आठ असिस्ट दिए। इस दौरान उन्होंने कई बड़े व्यक्तिगत

पुरस्कार भी अपने नाम किए। वह प्रीमियर लीग के गोल्डन बूट विजेता बने और चैंपियंस लीग में सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी रहे। इसके अलावा, उन्होंने यूरोपियन गोल्डन शू भी जीता। रोनाल्डो को प्रीमियर लीग प्लेयर ऑफ द सीजन, पीएफए प्लेयर्स फुटबॉलर ऑफ द ईयर, एफडब्ल्यूए फुटबॉलर ऑफ द ईयर, यूईएफए क्लब फुटबॉलर ऑफ द ईयर और फीफा वर्ल्ड प्लेयर ऑफ द ईयर जैसे सम्मान भी मिले। इस तरह २००८ उनके करियर के सबसे यादागर वर्षों में शामिल हो गया।

बैलोन डी'ओर ऑफ ऑल टाइम की अंतिम रैंकिंग में रोनाल्डो और मेसी का पूरी तरह दबदबा रहा। शीर्ष १० में इन दोनों के अलावा किसी अन्य खिलाड़ी को जगह नहीं मिली। रोनाल्डो ने अपने पांच सीजन के दम पर सूची में जगह बनाई। इनमें २००८, २०१७, २०१६, २०१४ और २०१३ शामिल हैं। वहीं, मेसी के २०१२, २०२३, २०१५, २०११ और २००९ के सीजन शीर्ष १० में शामिल रहे।

मेसी के नाम किसी भी खिलाड़ी से ज्यादा बैलोन डी'ओर खिताब हैं, लेकिन इस खास वोटिंग में रोनाल्डो का २००८ का प्रदर्शन सबसे आगे रहा।

